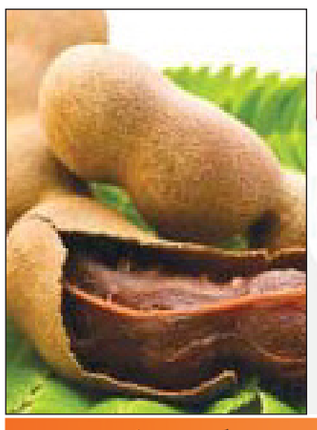

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूजन, इंफे शन और शुगर को कम करती हैं इमली की पाि या पेज: 7

मेरी अमाल से कोई तुलना नहीं..... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 80 | सोमवार 22 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दुनिया पर चढ़ा योग का रंग! चीन से कनाडा तक हजारों लोगों ने किया योग

नई दिल्ली एजेंसी: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को दुनिया भर में हजारों लोगों ने योग कार्यक्रमों में भाग लिया। विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में योग को स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और बेहतर जीवनशैली का प्रभावी माध्यम बताया गया। Shanghai के प्रसिद्ध बुंड फाइनेंस सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 400 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन भारत के महावाणिज्य दूतावास ने किया था। महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने योग को भारत की दुनिया को दी गई अमूल्य भेंट बताते हुए कहा कि यह शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम में ध्यान सत्र, मणिपुरी नृत्य, भारतीय शास्त्रीय संगीत और योग के लाभों पर विशेष प्रस्तुति दी गई।

पीएम मोदी ने कोलकाता में भारतीय नौसेना को सौंपे 3 स्वदेशी युद्धपोतों

आत्मनिर्भर भारत' अभियान को नई सामरिक शक्ति प्रदान.....

प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता में तीन स्वदेशी युद्धपोतों को नौसेना में शामिल कर 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को नई सामरिक शक्ति प्रदान की है, जो भारत के रक्षा उत्पादन में 1.8 लाख करोड़ रुपये और निर्यात में 40,000 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक वृद्धि को

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोलकाता में भारत में ही डिजाइन और तैयार किए गए इंडियन नेवी के तीन नए जहाजों को नौसेना में शामिल किया। इनमें एडवांस्ड स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, सर्वे वेसल आईएनएस संशोधक और एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय शामिल हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आज इंटरनेशनल योग दिवस के साथ-साथ विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस भी है, और यह एक बेहतरीन संयोग है कि इसी दिन हमने सबसे मॉडर्न हाइड्रोग्राफी जहाज, क्वर संशोधक को नौसेना को सौंपा है। समुद्री ताकत के बिना कोई देश बड़ी शक्ति नहीं बन सकता पीएम मोदी ने समुद्र की इम्पोर्टेंस समझाते हुए कहा कि विकास, सुरक्षा और समृद्धि सब कुछ समुद्र से जुड़े हैं। दुनिया का ज्यादातर बिजनेस और इंटरनेट डेटा का नेटवर्क समुद्र के रास्ते ही चलता है। उन्होंने कहा कि जिस देश की समुद्री ताकत मजबूत होती है, उसका आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव भी दमदार होता है। आईएनएस विक्रांत से शुरू हुआ यह सफर सिर्फ नए युद्धपोतों का नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का सबूत है। युवाओं के लिए रोजगार का नया इंजन बनेगा समुद्री क्षेत्र पीएम ने कहा कि ये तीनों जहाज मेड इन इंडिया हैं, जो भारतीय इंजीनियरों और कामगारों की कड़ी मेहनत का नतीजा हैं। आज भारत रक्षा क्षेत्र में सिर्फ एक खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि एक निमार्ता बनना चाहता है। हाल के सालों में 40 से ज्यादा स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां नौसेना में शामिल हो चुकी हैं और 45 नए नौसैनिक प्लेटफॉर्म अभी बन रहे हैं। एक आधुनिक जहाज को बनाने में सैकड़ों टन स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स की जरूरत होती है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलता है। आज शामिल किए गए 3 जहाजों को बनाने में 200 से ज्यादा छोटे उद्योगों ने मदद की है, जिससे बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा हुईं। शिपिंग सेक्टर के लिए 70,000 करोड़ का मेगा पैकेज पीएम मोदी ने बताया कि भारत अब समुद्री शक्ति के अगले फेज में एंट्री कर रहा है। इसके लिए शिप बिल्डिंग, रिपेयरिंग और रीसाइक्लिंग को एक नेशनल मिशन की तरह देखा जा रहा है। शिपिंग सेक्टर के लिए घोषित किया गया 70,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पैकेज भारत के समुद्री भविष्य में एक बड़ा इन्वेस्टमेंट है। इसके अलावा सागरमाला जैसी पहलों से बंदरगाहों को आधुनिक बनाया जा रहा है और नदी जलमार्गों का विस्तार किया जा रहा है, जिससे व्यापार की लागत कम हो रही है। डिफेंस प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट में भारत ने बनाया नया रिकॉर्ड क समय था जब भारत को दुनिया के सबसे बड़े डिफेंस इम्पोर्टर के रूप में जाना जाता था, जिससे सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा होती थीं। लेकिन 2014 के बाद बड़े नीतिगत सुधार किए गए। 2014 तक देश का कुल डिफेंस प्रोडक्शन लगभग 40,000 करोड़ रुपये था, जो आज बढ़कर लगभग 1,80,000 करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह, भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट जो पहले सिर्फ 700 करोड़ रुपये था, वह अब अभूतपूर्व गति से बढ़कर लगभग 40,000 करोड़ रुपये पहुंच गया है। भारत में बने रक्षा उपकरण आज दुनिया के 80 से ज्यादा देशों में जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल बनेगा ब्लू इकोनॉमी का मुख्य केंद्र पीएम मोदी ने कहा कि भारत के इस नए समुद्री युग में पश्चिम बंगाल एक बेहद अहम रोल निभाएगा। यहां की समुद्री अर्थव्यवस्था, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जरूरी हुनर मौजूद है। उन्होंने आखिर में कहा कि भारत हमेशा समुद्र को सहयोग का माध्यम मानता है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए ताकत भी उतनी ही जरूरी है। आज शामिल हुए तीनों जहाज इसी नए और आत्मविश्वासी भारत का प्रतीक हैं।

पवन खेड़ा का बड़ा आरोप: पीएम मोदी ने तुर्स्प के आगे कमजोरी दिखाई, देश का अपमान

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हालिया बातचीत को लेकर उनकी कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन भारतीय नाविकों की कथित हत्या के बाद प्रधानमंत्री ने कमजोरी दिखाई और भारत के हितों की रक्षा करने में नाकाम रहे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खेरा ने कहा कि इस हफ़्ते हम सबने, पूरे देश और पूरी दुनिया ने एक बहुत शर्मनाक नजारा देखा। शर्म से हमारे सिर झुक गए–कम से कम उन लोगों के, जिनके दिल भारत के लिए धड़कते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के सामने प्रधानमंत्री मोदी की नजरें झुकी हुई थीं। उनके हाथ कांप रहे थे। वह सोफे पर इस तरह सिमटकर बैठे थे। और वह एक कागज से पढ़कर 'एक्सीलेंसी, एक्सीलेंसी' कह रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के एक्सीलेंसी शब्द के इस्तेमाल पर सवाल उठाया और कहा कि यहाँ तक कि अनुवाद करने वाले को भी शर्मिंदगी महसूस हुई। उसने इसका अनुवाद एक्सीलेंसी के तौर पर नहीं किया; उसने मिस्टर प्रेसिडेंट कहा, जो उन्हें संबोधित करने का सही तरीका है। आखिर कौन इस तरह एक्सीलेंसी शब्द का इस्तेमाल करता है? खेड़ा ने आगे कहा कि इस बातचीत से भारत और उसके नेतृत्व का कद नहीं झलका। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं लगा कि 150 करोड़ नागरिकों का कोई प्रतिनिधि किसी देश के प्रमुख से बात कर रहा हो। ऐसा लगा जैसे किसी कंपनी का एजेंट अपने मालिक से बात कर रहा हो। इससे बहुत शर्मिंदगी, बहुत दुख और बहुत गुस्सा महसूस हुआ। पूर्व प्रधानमंत्रियों से तुलना करते हुए खेड़ा ने कहा कि यह एक आजाद देश है। हमने इंदिरा जी, राजीव जी, नरसिम्हा राव जी, अटल बिहारी वाजपेयी जी और डॉ. मनमोहन सिंह को देखा है। हमने कभी किसी को इस तरह झुकते हुए नहीं देखा। हमने कभी ऐसा समर्पण या समझौता नहीं देखा। इस हफ़्ते हमने जो देखा, मुझे नहीं लगता कि हम उसे आसानी से भूल पाएंगे। तीन भारतीय नाविकों की मौत का ज़िक्र करते हुए खेड़ा ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने इस पर अफसोस जाहिर नहीं किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने दिन-दहाड़े हमारे तीन निहत्थे नागरिक नाविकों की हत्या कर दी। अमेरिका ने कुछ ही दिन पहले हमारे तीन बेगुनाह नाविकों की हत्या कर दी।

स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान के बीच हाई वोल्टेज बातचीत शुरू, अंतिम फैसले पर अटकी दुनिया की सांसें

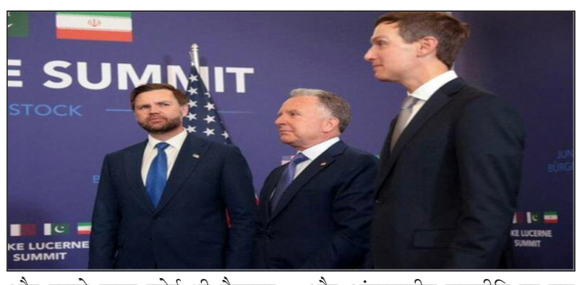

नई दिल्ली एजेंसी: अमेरिका और ईरान के बीच बहुप्रतीक्षित आधिकारिक वार्ता रविवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में शुरू हो गई। इस महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल में पाकिस्तान और कतर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। वार्ता ऐसे समय शुरू हुई है जब मध्य पूर्व में तनाव कम करने, परमाणु विवाद का समाधान खोजने और क्षेत्रीय स्थिरता बहाल करने के प्रयास तेज हुए हैं। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, बैठक का मुख्य फोकस हाल ही में हुए 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन और आगे की कार्ययोजना पर रहेगा। दुनिया भर के ऊर्जा और वित्तीय बाजार इस बैठक पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। होरमुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है और इससे जुड़ा कोई भी फैसला अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों पर सीधा असर डाल सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ती है तो मध्य पूर्व में तनाव कम हो सकता है और वैश्विक ऊर्जा बाजारों को स्थिरता मिल सकती है। यह वार्ता केवल अमेरिका और ईरान के संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरे मध्य पूर्व, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर पड़ सकता है। इसलिए दुनिया भर की निगाहें बर्गेनस्टॉक में हो रही इस बातचीत पर टिकी हुई हैं। इससे कुछ घंटे पहले स्विस विदेश मंत्रीइग्नाजियो कैसिस और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच बर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में द्विपक्षीय बैठक हुई। कैसिस ने सोशल मीडिया पर बैठक की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद स्विट्जरलैंड और ईरान के बीच विश्वास का संबंध कायम है और यह मध्य पूर्व में शांति एवं सुरक्षा के लिए कूटनीति की सेवा में लगा हुआ है। बर्गेनस्टॉक में रविवार को अमेरिका और ईरान दोनों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल पहुंच गए। यह वार्ता 17 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के बीच हुए 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत हो रही है। इस समझौते में 60 दिनों के भीतर प्रमुख विवादों के समाधान और पश्चिम एशिया में स्थिरता बहाल करने का लक्ष्य रखा गया है।अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। उनके साथ अमेरिकी वाताकार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर भी मौजूद हैं।

राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस के इन 5 दिग्गज चेहरों से की मुलाकात, विधानसभा चुनाव को लेकर बताई बड़ी बात

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को पंजाब के पांच वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की और उनसे आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने को कहा। राहुल ने जोर देकर कहा कि पार्टी की पंजाब इकाई में संगठनात्मक बदलावों की चर्चा के बीच राज्य में कांग्रेस के पास 'बहुत अच्छा मौका' है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा एवं विजय इंदर सिंगला ने सोनिया गांधी के आवास '10, जनपथ' पर राहुल गांधी से मुलाकात की। पंजाब में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं।बैठक के बाद बाजवा ने पत्रकारों से कहा, "मैंने पार्टी के लिए जो सबसे अच्छा है, उसपर अपना पक्ष रखा। मैंने कहा कि आप (राहुल गांधी) जो भी फैसला लेंगे, हम उसके साथ खड़े रहेंगे। हम कांग्रेस के समर्पित सिपाही हैं। हमारे परिवारों ने पंजाब के हित और देश की एकता एवं अखंडता के लिए बलिदान दिया है।" बाजवा ने जोर देकर कहा, "नेतृत्व का फैसला राहुल पर है, वह कोई पद दें या न दें, हम उनके साथ खड़े हैं।" राहुल गांधी से मिलने वाले नेताओं के अनुसार, उन्होंने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले की रणनीति पर इन पांचों नेताओं की राय जानने के लिए उनसे अलग-अलग मुलाकात की। बैठक की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया, "राहुल गांधी का संदेश था कि 'आपको मिलकर लड़ना होगा, पंजाब एक महत्वपूर्ण राज्य है और हमारे पास बहुत अच्छा मौका है।' नेताओं ने नेतृत्व के मुद्दे और आगे बढ़ने के सबसे अच्छे तरीके पर अपने विचार साझा किए। मूल रूप से, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें पंजाब के हितों की रक्षा करनी चाहिए।" इस महीने की शुरूआत में कांग्रेस ने पंजाब में मौजूदा राजनीतिक हालात का जायजा लेने और उसपर रिपोर्ट सौंपने के लिए अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजन लाल जाटव को 'अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी' का पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट आलाकमान को सौंप दी है।

नीट छात्रों के लिए पीएम मोदी ने पेश की मिसाल, दिल्ली एयरपोर्ट पर 45 मिनट तक रोकी अपनी उड़ान

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नीट यूजी 2026 री-एग्जाम दे रहे छात्रों के लिए एक बेहद सराहनीय कदम उठाया। उन्होंने दिल्ली एयरपोर्ट से अपनी तय उड़ान में थोड़ी देरी की ताकि एग्जाम सेंटर जा रहे छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी या ट्रैफिक जाम का सामना न करना पड़े। आज दोपहर 1:15 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद पीएम मोदी सीधे अपने आवास जाने के बजाय करीब 45 मिनट तक वहीं रुके रहे। एग्जाम टाइमिंग को देखते हुए लिया बड़ा फैसला जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री का विमान अपने तय समय पर उड़ान भर सकता था या उनका काफिला एयरपोर्ट से निकल सकता था। लेकिन, दोपहर 2 बजे से होने वाली नीट परीक्षा के कारण एयरपोर्ट और उसके आसपास के इलाकों में हजारों छात्रों की आवाजाही चल रही थी। पीएम मोदी ने फैसला लिया कि वीवीआईपी मूवमेंट और सुरक्षा प्रतिबंधों की वजह से छात्रों को सेंटर पहुंचने में देरी न हो जाए, इसलिए वे खुद एयरपोर्ट पर ही रुक गए।

सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के फैसले की जमकर तारीफ प्रधानमंत्री मोदी के इस फैसले की सोशल मीडिया पर लोग खूब तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स और पेरेंट्स ने इसे छात्रों के हित को सबसे आगे रखने वाला एक बेहतरीन निर्णय बताया। आपको बता दें कि इस साल नीट यूजी परीक्षा को लेकर केंद्र सरकार और प्रशासन पहले से ही काफी अलर्ट मोड पर हैं और छात्रों की सुविधा के लिए हर स्तर पर खास इंतजाम किए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पीएम मोदी का मिशन योग 365, कोलकाता से दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कोलकाता के रेड रोड पर 'इंटरनेशनल योग दिवस' के एक बड़े इवेंट में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 21 जून अब दुनिया का सबसे बड़ा सामूहिक उत्सव बन चुका है। पूरी दुनिया से योग की कमाल की तस्वीरें आ रही हैं। भारत में हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक और बंगाल से लेकर गुजरात के सौराष्ट्र तक, पूरा देश योग की पॉजिटिव एनर्जी से भरा हुआ है। पीएम मोदी ने क्या कहा? पीएम मोदी ने बताया कि आज पूरी दुनिया योग के जरिए एक-दूसरे से कनेक्टेड फील कर रही है, और यही योग की असली ताकत है। योग सबको साथ लाता है। उन्होंने दुनिया भर के लोगों को योग दिवस की बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने कोलकाता के लोगों की तारीफ करते हुए कहा कि यहां जो 'स्वच्छता से स्वागत' की पहल शुरू की गई है, वह वाकई कमाल है। लोगों ने जिस तरह मिलकर सफाई की है, वह पूरे देश के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। स्वामी विवेकानंद और बंगाल की धरती का कनेक्शन पीएम मोदी ने कहा कि योग दिवस पर बंगाल में होना बेहद खास है। यह वही पवित्र भूमि है जहां रामकृष्ण परमहंस जैसे महान संत हुए और जहां से निकलकर स्वामी विवेकानंद ने पूरी दुनिया को योग की ताकत से इंट्रोड्यूस कराया था। यहां महर्षि अरविंद जैसे महान योगी ने भी जन्म लिया। आज इस ऐतिहासिक धरती पर सबके साथ योग करना एक अलग ही लेवल का आध्यात्मिक अहसास दे रहा है। योग सिर्फ बॉडी के लिए नहीं, माइंड के लिए भी है जरूरी उन्होंने आगे कहा कि योग सिर्फ हमारी फिजिकल फिटनेस के लिए नहीं है, बल्कि यह मेंटल हेल्थ को भी बेहतर बनाता है। दुनिया के अच्छे फ्यूचर के लिए योग बेहद जरूरी है। आज का दिन हमें एक संकल्प लेने का मौका देता है कि योग को सिर्फ एक दिन का इवेंट न बनाएं, बल्कि इसे अपनी डेली लाइफ, अपने परिवार और आने वाली जनरेशन का हिस्सा बनाएं। क्या है 'योग 365' पहल? पीएम मोदी ने जानकारी दी कि इस साल 'योग 365' की एक नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत 100 दिनों का ऑनलाइन योग प्रोग्राम चलाया गया

योगी आदित्यनाथ का नेहरू पर बड़ा हमला, सोमनाथ मंदिर का विरोध औपनिवेशिक मानसिकता थी

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को झांसी में 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' को संबोधित करते हुए सोमनाथ मंदिर के इतिहास का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि आजादी के ठीक बाद के वर्षों में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को उचित सम्मान नहीं मिला। गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने मंदिर के जीर्णोद्धार की पहल की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस कदम का विरोध किया था। योगी ने आगे कहा कि जब भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का फैसला किया, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री ने एक पत्र के जरिए उन्हें ऐसा करने से रोका था। मुख्यमंत्री के अनुसार, ऐसे फैसले औपनिवेशिक मानसिकता को दशार्ते थे, जिसका असर उस दौर में देश की नीतियों और सोच पर बना हुआ था। उन्होंने कहा देश पर अभी भी गुलामी की मानसिकता का असर था। इसी वजह से भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को वह पहचान नहीं मिल पाई, जिसकी वे हकदार थीं। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक पुनरुद्धार और राष्ट्रीय धरोहर को बचाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारत अब अपनी सभ्यता की जड़ों को लेकर गर्व की नई भावना महसूस कर रहा है। हाल की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए योगी ने कहा कि आजाद भारत में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े अहम धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया है, जिनमें अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास और प्राण-प्रतिष्ठा समारोह शामिल हैं। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने परिवार-केंद्रित राजनीति की। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का समर्थन खोने के बाद, इन दलों ने राजनीतिक फायदे के लिए समाज को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश की। उन्होंने कहाकि लोगों ने ऐसी राजनीति को नकार दिया है। जो लोग कभी सिर्फ. अपने परिवारों के लिए काम करते थे, वे अब समाज में बंटवारा करने की कोशिश कर रहे हैं। योगी ने उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध के खिलाफ अपनी सरकार की सख़्त कार्रवाई का भी ज़िक्र किया। उन्होंने दावा किया कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों की लगातार कार्रवाई से राज्य के माफि या नेटवर्क या तो खत्म कर दिए गए हैं या फिर बेअसर कर दिए गए हैं।

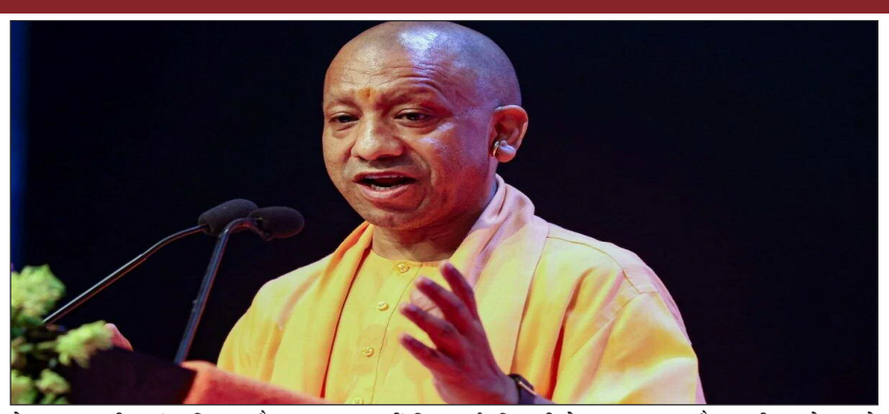

योगी ने आगे कहा कि जब भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का फैसला किया, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री ने एक पत्र के जरिए उन्हें ऐसा करने से रोका था। मुख्यमंत्री के अनुसार, ऐसे फैसले औपनिवेशिक मानसिकता को दशार्ते थे

संपादकीय

एक थोपे युद्ध का अंत

दुनिया ने राहत की सांस महसूस की होगी! आर्थिक मंदी, ऊर्जा-खाद्य संकट और तबाही की भयावहता अब नहीं डराएगी। ईरान का 47 साल लंबा वैश्विक वनवास और पाबंदियां अब समाप्त होंगी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ईरान के 11 जहाज कच्चा तेल लेकर गुजरे। कतर की एलएनजी के टैंकर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के जहाज भी गुजरने लगे हैं। युद्ध से पहले जो होर्मुज था, उसका वही स्वरूप और रास्ता खुलने लगा है। अमरीका ने भी होर्मुज-ओमान खाड़ी में अपनी सैन्य नाकेबंदी हटा ली है। अमरीकी सेनाएं भी धीरे-धीरे लौट जाएंगी। यह अमरीका-ईरान के बीच समझौते के मसविदे पर हस्ताक्षर कर सहमति देने के बाद के माहौल, उल्लास, निष्कंटक आवाजाही के दृश्य हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पेरिस के ह्यवर्साय पैलेसह्न में, जी-7 सम्मेलन के दौरान ही, समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और फिर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दस्तखत किए। इसी के साथ 110 दिन से जारी ईरान युद्ध समाप्त हो गया। बमबारी, मिसाइल, ड्रोन की भयानक आवाजें, विस्फोट, आग की लपटें और धुआं, अंततः विध्वंस का दौर थम गया। मानवता जिंदा रह सकेगी, फिलहाल यह तय किया गया है। अब आगे के 60 दिन वाताओं के दौर जारी रहेंगे। अंतिम समाधान और सहमति तय की जाएगी, लेकिन यह निश्चित है कि राष्ट्रपति ट्रंप अब युद्ध का आदेश नहीं देंगे। इस युद्ध ने उनकी कई गलतफहमियां दूर की हैं, युद्ध के बारे में वह आत्ममंथन कर रहे होंगे, शायद क्यूबा को भी बख्श देंगे और इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि हरेक देश वेनेजुएला नहीं होता। यह युद्ध-समाप्ति बेहद त्रासद रही है, क्योंकि कुल 7500 से अधिक मौतें हुईं। पेंटागन और ईरान वॉर कॉस्ट ट्रैकर के मुताबिक, दोनों देशों को करीब 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है। दुनिया के वे देश, जिनका युद्ध से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था, उन्हें भी करीब 112 लाख करोड़ रुपए की चपत लगी। खाड़ी देशों को करीब 194 अरब डॉलर का नुकसान ही झेलना नहीं पड़ा, बल्कि करीब 36 लाख नौकरियां/रोजगार खत्म हो गए। करीब 40 लाख लोग गरीबी-रेखा के नीचे जाने को विवश हुए। अमरीका-इजरायल ने ईरान पर करीब 2500 हमले किए और उसे खंडहर बना दिया। अकेले ईरान को करीब 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और अमरीका को भी करीब 10.64 लाख करोड़ रुपए फूंकने पड़े। उसकी 10 लाख करोड़ रुपए की मिसाइलें और ड्रोन ईरान ने तबाह कर दिए। अमरीका के 15 सैनिक भी मारे गए और खाड़ी देशों में उसके सैन्य ठिकानों को भी नष्ट कर दिया गया है। 'सुपर पॉवर' की छवि, बेशक, खंडित हुई है। यह माना जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को इस समझौते के लिए तैयार होना पड़ा, कदाचित झुकना पड़ा। उन्होंने जी-7 बैठक के दौरान यह स्वीकार कर सभी को चौंका दिया कि चार सप्ताह में रिजर्व खत्म हो जाते। दुनिया भर के रिजर्व भी खत्म हो जाते। तेल-गैस खत्म हो जाते, तो दुनिया में अराजकता फैल जाती। महत्वपूर्ण और घातक हथियारों के भंडार भी खत्म हो रहे थे। उन्हें आगामी तीन सालों में भी भरा नहीं जा सकता। आर्थिक मंदी मंडरा कर डराने लगी थी, लिहाजा युद्ध समाप्त करने के अलावा, कोई और विकल्प नहीं था।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

दल-बदल की राजनीति और लोकतंत्र का भविष्य

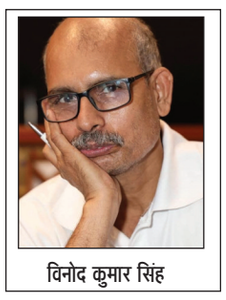
विनोद कुमार सिंह

जनादेश की चोरी या राजनीतिक अवसरवाद जनादेश बनाम दल-बदल।भारतीय लोकतंत्र राजनीतिक अवसरवाद का बंधक बनता जा रहा है?

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में जनता को लोकतंत्र का वास्तविक स्वामी माना जाता है। संविधान की मूल भावना भी यही है कि सत्ता का स्रोत जनता है, जनता जर्नादन का जनादेश सर्वोपरि है।मतदाता किसी प्रत्याशी को केवल उसके व्यक्तिगत गुणों के आधार पर नहीं चुनता,बल्कि उसके राजनीतिक दल,विचारधारा,नेतृत्व और चुनावी घोषणापत्र पर विश्वास व्यक्त करता है।यही कारण है कि चुनाव परिणाम केवल सीटों की गणना नहीं,बल्कि जनता की सामूहिक इच्छा की अभिव्यक्ति होते हैं।दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में जिस प्रकार दल-बदल की प्रवृत्ति बढ़ी है,उसने लोकतंत्र की आत्मा जनादेश की पवित्रता और राजनीतिक नैतिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।एक ओर भाजपा व एन डी ए की केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है।विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत जैसे लक्ष्य राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं।दूसरी ओर राजनीतिक दलों के भीतर बढ़ती अस्थिरता,वैचारिक प्रतिबद्धता का क्षरण और सत्ता प्राप्ति की बढ़ती होड़ लोकतंत्र को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर रही है।जनता जिन प्रतिनिधियों को किसी दल के चुनाव चिन्ह पर चुनकर भेजती है,वे कुछ वर्षों बाद या कभी-कभी कुछ महीनों बाद ही अपना दल बदल लेते हैं।इससे सबसे अधिक आघात मतदाता के विश्वास को पहुँचता है।भारतीय राजनीति में दल-बदल की समस्या नई नहीं है।वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में कई बार पार्टी बदलने की घटना के बाद ₹आया राम,गया राम₹ भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। 1967से1971के बीच देशभर में पांच सौ से अधिक विधायकों द्वारा दल बदलने की घटनाएँ दर्ज की गईं।राजनीतिक अस्थिरता इतनी बढ़ गई कि केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा।इसी के परिणामस्वरूप वर्ष 1985 में संविधान के 52वें संशोधन द्वारा दसवीं अनुसूची अर्थात दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। बाद में 91वें संविधान संशोधन के माध्यम से इसे और कठोर बनाया गया।कानून बनने के बावजूद समस्या समाप्त नहीं हुई।नेताओं ने कानून की कमियों को समझ लिया और व्यक्तिगत दल-बदल के स्थान पर सामूहिक टूट,विलय और इस्तीफों की रणनीति अपनाई।आज स्थिति यह है कि सरकारें कई बार चुनावी जनादेश से कम और राजनीतिक प्रबंधन से अधिक बनती-बिगड़ती दिखाई देती हैं।राजनीतिक सुधारों के लिए कार्य करने वाली संस्था ए डी आर (ऐशोसिएसन फॉर डेमोक्रिऐसी रिफॉर्स)की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 से 2020 के बीच देश भर में 405 विधायक दल बदलकर दोबारा चुनाव मैदान में उतरे।इनमें से 182 विधायक अर्थात लगभग 45 प्रतिशत एक ही दल में शामिल हुए।इसी अवधि में170विधायक कांग्रेस छोड़कर अन्य दलों में चले गए जबकि केवल 18 विधायक भाजपा छोड़कर अन्य दलों में गए। एडीआर ने यह भी उल्लेख किया कि मध्य प्रदेश,गोवा,मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और कर्नाटक में सरकारों के गिरने के पीछे विधायकों का दल-बदल प्रमुख कारण रहा।महाराष्ट्र का राजनीतिक घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र में दल-बदल की सबसे बड़ी प्रयोग शाला बनकर सामने आया।वर्ष 2022में शिवसेना के 55 में से लगभग 40 विधायक एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में अलग हो गए।इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में भी बड़ी टूट हुई और अजित पवार गुट अलग हो गया।जनता ने जिस महाविकास आघाड़ी या जिस राजनीतिक संरचना को वोट दिया था,कुछ ही वर्षों में उसका स्वरूप पूरी तरह बदल गया।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि महाराष्ट्र ने भारतीय राजनीति में ₹विधायक आधारित सत्ता परिवर्तन₹ का नया मॉडल प्रस्तुत किया है।इससे यह प्रश्न और प्रबल हुआ कि लोकतंत्र में वास्तविक महत्व मतदाता के वोट का है या निर्वाचित प्रतिनिधियों की बाद की राजनीतिक निष्ठाओं का।मध्य प्रदेश का उदाहरण भी कम महत्वपूर्ण नहीं है।वर्ष 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के बाद 22कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफा दे दिया।परिणामस्वरूप कमलनाथ सरकार गिर गई और राज्य में सत्ता परिवर्तन हो गया।बाद में इनमें से अधिकांश नेता दूसरे दल के टिकट पर पुनः चुनाव लड़े।यह घटनाक्रम भारतीय राजनीति में दल-बदल और सत्ता परिवर्तन के सबसे चर्चित उदाहरणों में गिना जाता है।कर्नाटक में वर्ष 2019 में 17विधायकों के इस्तीफे ने एच.डी. कुमारस्वामी सरकार को गिरा दिया।कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सत्ता से बाहर हो गया और नई सरकार का गठन हुआ।राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे भी दल-बदल कानून की सीमाओं का उदाहरण बताया।गोवा,मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में भी निर्वाचित विधायकों के दल बदलने से राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए।कई बार विपक्ष सत्ता पक्ष में बदल गया और कई बार सत्तारूढ़ दल विपक्ष में पहुँच गया।इससे लोकतांत्रिक स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ा।एडीआर की रिपोर्ट ने भी इन राज्यों में सरकार परिवर्तन के पीछे दल-बदल को प्रमुख कारण बताया है।पश्चिम बंगाल में भी दल-बदल की राजनीति लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।वर्ष 2021 के विधान सभा चुनाव से पहले और बाद में तृणमूल कांग्रेस तथा भाजपा के बीच नेताओं और विधायकों का आना-जाना जारी रहा।राजनीतिक गलियारों में समय-समय पर तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों की नाराजगी और संभावित टूट की चर्चाएँ भी उठती रही हैं।लोकतंत्र के लिए केवल दल-बदल ही समस्या नहीं है,बल्कि लगातार बनी रहने वाली राजनीतिक अनिश्चितता भी चिंता का विषय है।

विश्व वर्षावन दिवस : महत्व, उद्देश्य, थीम और संरक्षण के उपाय

सुनील कुमार महला

वर्षावनों के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 22 जून को विश्व वर्षावन दिवस (वर्ल्ड रेन फोरेस्ट डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस पृथ्वी के उन अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को रेखांकित करता है, जो मानव जीवन, जैव-विविधता और जलवायु संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। आज स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज लॉगिंग (पेड़ों की कटाई), अवैध खनन, अनियंत्रित विकास तथा कृषि विस्तार के कारण हर मिनट लगभग 40 फुटबॉल मैदानों के बराबर वर्षावन नष्ट हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार पिछले 50 वर्षों में अकेले अमेजन वर्षावन का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा समाप्त हो चुका है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो पाठकों को बताता चलूं कि विश्व वर्षावन दिवस की शुरूआत वर्ष 2017 में गैर-लाभकारी संस्था रेनफोरेस्ट पार्टनरशिप द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य वर्षावनों के संरक्षण के लिए विश्वभर के लोगों, संगठनों और सरकारों को एक साझा मंच पर लाना था। तब से यह दिवस विश्व के अनेक देशों में पर्यावरण संरक्षण अभियानों, वृक्षारोपण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों तथा जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मनाया जा रहा है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्षावन पृथ्वी के सबसे समृद्ध और जैव-विविधता वाले पारिस्थितिक तंत्र हैं। यद्यपि वे पृथ्वी की भूमि का अपेक्षाकृत छोटा भाग घेरते हैं, फिर भी इनमें विश्व की लगभग आधी से अधिक वनस्पति एवं जीव प्रजातियाँ पाई जाती हैं। ये वातावरण से बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करके जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा पृथ्वी के जल-चक्र और वर्षा प्रणाली को संतुलित बनाए रखते हैं। लाखों आदिवासी और स्थानीय समुदाय अपनी आजीविका, संस्कृति और जीवन-निर्वाह के लिए वर्षावनों पर निर्भर हैं। इसके अतिरिक्त आधुनिक चिकित्सा में उपयोग होने वाली 25 प्रतिशत से अधिक दवाओं के तत्व वर्षावनों के पौधों से प्राप्त होते हैं, जिनमें अनेक कैंसर-रोधी औषधियाँ भी शामिल हैं।

इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को वर्षावनों के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा उनके संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। यह सरकारों, संस्थाओं और नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का संदेश देता है। पिछले वर्ष अर्थात 2025 में विश्व वर्षावन दिवस की थीम एमपावरिंग एक्शन (कार्रवाई को सशक्त बनाना) रखी गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य वर्षावनों के संरक्षण हेतु जमीनी स्तर पर ठोस और प्रभावी कदम उठाने पर बल देना था। इस थीम के अंतर्गत स्वदेशी समुदायों को सशक्त बनाने तथा उनके पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया था। वहीं वर्ष 2026 की थीम द फोरेस्ट विद इन यू (आपके भीतर का जंगल) है। यह थीम इस विचार को प्रस्तुत करती है कि वर्षावन भले ही भौगोलिक रूप से हमसे दूर हों, लेकिन हवा, पानी और जलवायु के माध्यम से वे हमारे अस्तित्व का अभिन्न हिस्सा हैं। यह मनुष्य और प्रकृति के गहरे एवं आंतरिक संबंध को रेखांकित करती है।

वर्षावनों से जुड़े अनेक तथ्य अत्यंत रोचक और महत्वपूर्ण हैं। वर्षावन पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल के 3 प्रतिशत से भी कम हिस्से में फैले हैं, लेकिन वे विश्व की आधे से अधिक वनस्पति एवं जीव प्रजातियों का घर हैं। अमेजन जैसे विशाल वर्षावन हमारी सांसों के लिए आवश्यक ऑक्सीजन तथा स्वच्छ जल प्रणाली से गहराई से जुड़े हुए हैं। इन्हें अक्सर पृथ्वी के फेफड़े कहा जाता है, क्योंकि ये पृथ्वी के जलवायु संतुलन को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज वर्षावनों के समक्ष अनेक गंभीर चुनौतियाँ हैं, जिनमें पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, अवैध खनन, कृषि भूमि का विस्तार, अनियंत्रित औद्योगिक एवं शहरी विकास तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। विशेष रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया में पाम ऑयल के बागानों के लिए बड़े पैमाने पर वर्षावनों की कटाई की जा रही है, जो वैश्विक चिंता का विषय है। इसी प्रकार मवेशी पालन और चरागाहों के विस्तार के लिए भी बड़ी मात्रा में वन क्षेत्र नष्ट किया जा रहा है।

वर्षावनों के संरक्षण के लिए हमें जिम्मेदार उपभोग की आदत विकसित करनी होगी। कागज और लकड़ी के उत्पादों का सीमित एवं समझदारीपूर्ण उपयोग करना चाहिए तथा अनावश्यक खरीदारी से बचना चाहिए। पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) को बढ़ावा देना आवश्यक है। कागज का दोनों तरफ उपयोग करना चाहिए, री-सायकल किए गए कागज और अन्य उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा जहाँ संभव हो डिजिटल विकल्प अपनाने चाहिए।इसके साथ ही सतत (सस्टेनेबल) खरीदारी को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। सस्टेनेबल शॉपिंग का अर्थ है कि किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले यह विचार किया जाए कि वह कहाँ से आई है, उसका निर्माण कैसे हुआ है तथा उसके उपयोग के बाद पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा। हमें प्लास्टिक के बजाय कपड़े या जूट के थैले अपनाने चाहिए, ऑर्गेनिक तथा रीसायकल सामग्री से बने उत्पाद खरीदने चाहिए और स्थानीय तथा प्रमाणित उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। सरल शब्दों में कहा जाए तो कम लेकिन टिकाऊ खरीदारी करनी चाहिए। पाम ऑयल से जुड़े उत्पादों के प्रति भी जागरूक रहना आवश्यक है। ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए जिनमें पर्यावरण-अनुकूल और प्रमाणित स्रोतों से प्राप्त पाम ऑयल का उपयोग किया गया हो। इसी प्रकार वैश्विक स्तर पर मांस की खपत कम करने से चरागाहों के विस्तार की आवश्यकता घटेगी और वनों पर दबाव कम होगा। आदिवासी एवं स्थानीय समुदाय प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की परंपरागत समझ रखते हैं, इसलिए उनके अधिकारों और ज्ञान की रक्षा भी आवश्यक है। साथ ही ऐसी सरकारों और कंपनियों का समर्थन किया जाना चाहिए जो सख्त पर्यावरणीय कानूनों और शून्य-वनकटाई (जीरो-डीफोरेस्टेशन) नीतियों का पालन करती हैं।

अंत में यही कहूंगा कि वर्षावनों के संरक्षण के लिए वृक्षों की कटाई पर रोक लगाना, अधिकाधिक वृक्षारोपण करना, झूमिंग कृषि प्रणाली को हतोत्साहित करना तथा सतत कृषि को बढ़ावा देना आवश्यक है। वन्यजीवों का संरक्षण, राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों का विस्तार, ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ी आवश्यकता लोगों को वर्षावनों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में शिक्षित करने तथा व्यापक जन-जागरूकता फैलाने की है।

वास्तव में सच तो यह है कि वर्षावनों को बचाना किसी एक देश या सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज का सामूहिक और नैतिक दायित्व है। वर्षावन हमारे दैनिक जीवन, संस्कृति, स्वास्थ्य, जलवायु और भविष्य से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। वे हमें स्वच्छ वायु, संतुलित जलवायु, जैव-विविधता और जीवनदायी संसाधन प्रदान करते हैं। यदि हम आज इनके संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण, समृद्ध जैव-विविधता और सुरक्षित भविष्य प्रदान कर सकेंगे। इसलिए वर्षावनों का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता ही नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य शर्त भी है।

क्या आरएसएस की भारत की जनता के प्रति जवाबदेही होनी चाहिए?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस और उसके वैचारिक सहयोगियों ने एक बार फिर वही पुराना शोर उठाया है कि संघ पंजीकृत क्यों नहीं है? कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे का पत्र और उसके बाद खड़ा किया गया राजनीतिक कोलाहल इस बात का प्रमाण है कि संघ विरोधियों के पास न तथ्य बचे हैं, न तर्क। वह केवल विवाद पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि जिस संगठन को जनता का भरोसा और समाज का समर्थन हासिल हो, उसे बदनाम करने का सबसे आसान तरीका संदेह फैलाना होता है।

लेकिन इस बार संघ ने भी स्पष्ट और सीधा उत्तर दिया है। मोहन भागवत ने साफ कहा, ह्लहिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है।ह्व यह उस पूरी मानसिकता पर प्रहार है जो मानती है कि भारत की हर सांस्कृतिक चेतना को सरकारी मुहर से ही वैधता मिलेगी। भागवत ने कहा कि संघ 1925 में स्थापित हुआ था। क्या तब अंग्रेजों से जाकर पंजीकरण कराया जाता? साथ ही स्वतंत्रता के बाद भी भारत के संविधान ने कभी यह अनिवार्य नहीं किया कि हर स्वैच्छिक संगठन सरकारी रजिस्टर में दर्ज हो तभी वह अस्तित्व में रह सकता है।

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। संघ ने चरित्र निर्माण किया, अनुशासन दिया, समाज को जोड़ा, सेवा का संस्कार दिया और राष्ट्रवाद को जीवन का व्यवहार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस का एक हिस्सा वर्षों तक विदेशी शक्तियों के सामने वैचारिक समर्पण करता रहा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौते करने वाली राजनीति आज संघ से राष्ट्रभक्ति का प्रमाण मांग रही है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को संगठन बनाने की स्वतंत्रता देता है। यह नागरिकों का मौलिक अधिकार है। संविधान कहीं नहीं कहता कि हर सामाजिक संगठन को पहले सरकार के सामने सिर झुकाकर अनुमति लेनी होगी। सोसाइटी कानून, न्यास कानून और अन्य व्यवस्थाएं केवल कानूनी सुविधाओं के लिए हैं, अस्तित्व के लिए नहीं।

संघ के पंजीकरण प्रमाणपत्र को देखने की चाह रखने वाले प्रियांक खरगे, पवन खेड़ा और कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में मंत्री होना कानून से ऊपर होना नहीं होता। किसी मंत्री की व्यक्तिगत इच्छा कानून नहीं बन जाती। यदि कानून में अनिवार्यता नहीं है, तो केवल राजनीतिक नफरत के कारण किसी संगठन को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। यही विधि का शासन है, यही संविधान की आत्मा है।

संघ को समझने के लिए उसकी मूल प्रकृति को समझना आवश्यक है। संघ कोई पारंपरिक कार्यालयी संस्था नहीं, बल्कि समाज आधारित आंदोलन है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने इसे सदस्यता कार्ड, शुल्क और कागजी ढांचे की बजाय शाखा, संस्कार और स्वयंसेवा के आधार पर खड़ा किया। आज भी कोई व्यक्ति शाखा में जाकर स्वयंसेवक बन सकता है। यही कारण है कि संघ समाज के बीच रहता है, किसी फाइल में बंद नहीं रहता। संघ अपने आरम्भकाल से ही सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ता रहा है। संघ में औपचारिक सदस्यता और कठोर संस्थागत नियंत्रण नहीं होता। शाखाएं अपने संसाधनों से चलती हैं और संगठन का संचालन सामाजिक सहभागिता से होता है।

इतिहास यह भी बताता है कि संघ को बार-बार राजनीतिक दमन का सामना करना पड़ा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद प्रतिबंध लगाया गया, आपातकाल में हजारों स्वयंसेवक जेल भेजे गए, बाबरी प्रकरण के बाद भी हमला हुआ। लेकिन हर बार संघ और अधिक मजबूत होकर निकला। इसका कारण यह था कि संघ की जड़ें सत्ता में नहीं, समाज में हैं। मोहन भागवत ने भी याद दिलाया कि सरकारें संघ पर प्रतिबंध लगाती रहीं, इसका अर्थ ही यह है कि सरकारें संघ के अस्तित्व और प्रभाव को मानती रही हैं।

देखा जाये तो संघ विरोधी बार बार पारदर्शिता और कराधान का मुद्दा उठाते हैं। लेकिन वह जानबूझकर न्यायालयों के निर्णयों को नजरअंदाज करते हैं। ह्लगुरु दक्षिणाह्व को लेकर न्यायालयों ने पारस्परिकता के सिद्धांत को स्वीकार किया था। पटना उच्च न्यायालय ने स्पष्ट माना कि स्वयंसेवकों का स्वैच्छिक योगदान करयोग्य आय नहीं माना जा सकता। संघ ने कभी कानून से छूट नहीं मांगी। उसने केवल वही स्वीकार किया जो कानून कहता है। कानून जहां लागू होता है, वहां संघ के सहयोगी संगठन विधिवत पंजीकृत हैं, लेखा परीक्षण कराते हैं और अपने प्रतिवेदन भी प्रकाशित करते हैं।

यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस का पाखंड खुलकर सामने आता है। दशकों तक सत्ता में रहने वाली पार्टी आज संघ से पारदर्शिता मांग रही है, जबकि स्वयं उसके इतिहास पर आपातकाल, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और विदेशी प्रभाव के आरोप लगे हुए हैं। जो दल लोकतंत्र को कुचलने के लिए आपातकाल थोप सकता है, वह आज लोकतांत्रिक मूल्यों का उपदेश दे रहा है। यह राजनीतिक हास्य से अधिक कुछ नहीं।

मोहन भागवत ने बिल्कुल सही कहा कि संघ खुलकर काम करता है, किसी गुप्त संगठन की तरह नहीं। लाखों शाखाएं, हजारों सेवा प्रकल्प, शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा राहत, सामाजिक समरसता, वनवासी कल्याण, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, संघ का हर कार्य समाज के सामने है। यदि संघ में कुछ छिपा होता तो वह सौ वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में इतने व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया जाता।

दरअसल संघ की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि उसने राष्ट्रवाद को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा। जब भी देश पर संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले खड़े दिखाई दिए। विभाजन के समय राहत कार्य हो, प्राकृतिक आपदाएं हों, महामारी का दौर हो या सीमा पर सैनिकों के परिवारों की सहायता, संघ के कार्यकर्ता हर जगह सक्रिय रहे। यही कारण है कि भारत का सामान्य नागरिक संघ को कागजी संस्था नहीं, राष्ट्रीय चेतना का प्रहरी मानता है।

संघ को लेकर सबसे अधिक भ्रम उन लोगों में है जो भारत को केवल सत्ता और चुनाव की नजर से देखते हैं। संघ सत्ता के लिए नहीं, समाज के लिए काम करता है। यही कारण है कि वह राजनीतिक उतार चढ़ाव से अप्रभावित रहता है। मोहन भागवत ने हाल में कहा था कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है, लेकिन सबसे अधिक गलत समझा जाने वाला संगठन भी है। यह कथन बिल्कुल सही है। जिन लोगों ने कभी शाखा देखी ही नहीं, वह संघ पर सबसे अधिक आरोप लगाते हैं।

देखा जाये तो आज आवश्यकता इस बात की है कि संघ को राजनीतिक चश्मे से नहीं, उसके कार्यों से देखा जाए। यदि कोई संगठन बिना सरकारी सहायता के, बिना विदेशी धन के और बिना सत्ता के दबाव के सौ वर्षों तक राष्ट्रसेवा करता है, तो उसकी वैधता किसी सरकारी रजिस्टर से नहीं, जनता के विश्वास से तय होती है।

कांग्रेस और संघ विरोधियों को यह समझ लेना चाहिए कि संघ को डराकर, बदनाम करके या कानूनी भ्रम फैलाकर कमजोर नहीं किया जा सकता। संघ की शक्ति कागजों से नहीं, करोड़ों स्वयंसेवकों के समर्पण से आती है। उसका अस्तित्व किसी मंत्री की कृपा पर नहीं, भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर आधारित है। जो सौ वर्षों से राष्ट्र को सब कुछ दे रहा हो, उसे अपना परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। राष्ट्र स्वयं उसका परिचय बन जाता है।

साथ ही संघ को किसी वंशवादी राजनीति से चरित्र प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। जिस संगठन ने सौ वर्षों तक बिना सत्ता, बिना सरकारी संरक्षण और बिना विदेशी सहारे के राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उसकी पहचान किसी सरकारी मुहर से नहीं होती। संघ का परिचय उसके करोड़ों स्वयंसेवकों की तपस्या है, उसकी शाखाओं का अनुशासन है, उसकी सेवा का विस्तार है और भारत माता के प्रति उसका अखंड समर्पण है। राजनीतिक दल सत्ता से बनते और मिट जाते हैं, लेकिन संघ जैसी राष्ट्रशक्ति पीढ़ियों तक समाज की चेतना में जीवित रहती है। संघ को मिटाने के सपने देखने वाले आते जाते रहे, लेकिन संघ आज भी उतना ही दृढ़, उतना ही प्रभावशाली और उतना ही राष्ट्रनिष्ठ खड़ा है, क्योंकि उसका आधार सत्ता नहीं, भारत की सनातन आत्मा है।

राष्ट्र सेवी संगठन ने मनाया पितृ दिवस, ग्रामीणों ने लिया बुजुर्गों के सम्मान का संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय पिता दिवस के अवसर पर रविवार को गांव भूत खदेडी में राष्ट्र सेवी संगठन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में एक विशेष सम्मान समारोह और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज में पिताओं के त्याग, समर्पण और परिवार के प्रति उनके योगदान को सराहना की गई।कार्यक्रम की शुरूआत गांव के वयोवृद्ध पिताओं को तिलक लगाकर और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई। इस भावुक क्षण में कई बुजुर्गों की आंखें छलक आईं। सभा को संबोधित करते हुए संगठन के मुख्य संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि आज के आधुनिक दौर में संयुक्त परिवारों का टूटना और बुजुर्गों की उपेक्षा होना एक गंभीर सामाजिक समस्या बनती जा रही है। पिता घर की उस मजबूत नींव की तरह होते हैं, जो खुद धूप में तपकर पूरे परिवार को छांव देते हैं। उनका सम्मान केवल एक दिन नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षण में होना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर संगठन के पदाधिकारियों ने उपस्थित सभी ग्रामीणों और युवाओं को एक सामूहिक संकल्प दिलाया। ग्रामीणों ने हाथ आगे बढ़ाकर प्रतिज्ञा की कि वे अपने माता-पिता और घर के बुजुर्गों की देखरेख में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। उनके स्वास्थ्य और आत्मसम्मान की रक्षा करेंगे। नई पीढ़ी को संस्कारी और बुजुर्गों के प्रति संवेदनशील बनाएंगे। गांव के प्रधान ने संगठन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण परिवेश में आपसी प्रेम और पारिवारिक मूल्य मजबूत होते हैं।इस अवसर पर कृष्ण कुमार शर्मा राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्र सेवी संगठन, महीपाल सिंह प्रान्त गन्ना प्रमुख भारतीय किसान संघ धर्मपाल सिंह चौहान जिला कोषाध्यक्ष भारतीय किसान संघ जिला अमरोहा, ब्रह्मपाल सिंह, रूपचन्द्र सिंह संस्थापक सदस्य राष्ट्र सेवी संगठन,सुशील कुमार ,हरपाल सिंह, अरविन्द कुमार, यशवीर सिंह जिला विद्युत प्रमुख भारतीय किसान संघ अमरोहा, अमरीश, उमंग, उत्कर्ष चौहान, दीपांशु, सुलेंदर, हरकेश सिंह, राजेश कुमार ,रवि, सोनू प्रधान आदि मौजूद रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गन्ना कार्यालय में हुआ योगाभ्यास

शरीर और आत्मा के लिए तोहफा है योग, खुद को खुद से मिलाने का मौका है योग

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह स्थानीय गन्ना कार्यालय के सभागार में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व योग प्रशिक्षक बाबूराम सैनी ने किया। सैनी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न योगासन कराए। साथ ही उन्होंने बताया कि भिन्न-भिन्न बीमारियों के उपचार हेतु कौन-कौन से योगासन लाभकारी हैं और उनके नियमित अभ्यास से कैसे रोगों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में फैल रही बीमारियों से बचाव के लिए दवाइयों से कहीं अधिक योग आवश्यक है। इस अवसर पर चीनी मिल के उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने भी योगाभ्यास में भाग लिया। उन्होंने कहा कि योग केवल एक दिन का नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन का विषय है। प्रतिदिन योग करने से स्वास्थ्य उत्तम रहता है। सभी लोग नियमित योग करें और स्वयं को निरोगी बनाएं। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष रवि गुप्ता, महाप्रबन्धक (इंजी०) संजय जायसवाल, एकाउन्ट विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने योग का लाभ प्राप्त किया। स्वस्थ रहे तन और मन, योग ही है रोगमुक्त जीवन का मंत्र के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गंगा एक्सप्रेसवे पर चला चेकिंग अभियान, ओवरस्पीडिंग में 50 वाहनों के चालान

अमरोहा (सब का सपना):- यातायात नियमों के प्रभावी अनुपालन हेतु रविवार को गंगा एक्सप्रेसवे, जनपद अमरोहा पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ओवरस्पीडिंग करने वाले 50 वाहनों के मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान किए गए। इस दौरान पुलिस टीम ने एक्सप्रेसवे पर यात्रा कर रहे वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। टू-व्हीलर चालकों को एक्सप्रेसवे पर आवागमन के नियम बताए गए। सभी चालकों को ओवरस्पीडिंग न करने, लेन अनुशासन, सीट बेल्ट व अन्य यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। अमरोहा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अपनी एवं अन्य सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें तथा निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गजरौला स्थित अवन्तिका पार्क में सामुहिक योग शिविर का किया गया आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद गजरौला के सौजन्य से नगर स्थित अवंतिका पार्क में एक सामूहिक योग शिविर का आयोजन कराया गया, जिसमें नगर वासियों एवं नगर के गणमान्य व्यक्तियों ने योगाभ्यासकर योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया। योगाभ्यास के दौरान वहां उपस्थित जन समूह ने कपालभाति ,अनुलोम-विलोम भ्रामरी और सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न प्राणायाम आसनों का अभ्यास किया। योग मंत्र से भाजपा नेता विपिन सागर ने वहां उपस्थित लोगों को योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों से परिचित कराया। बता दें कि इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व विधायक/नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह और पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी ने नागरिकों को योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। पालिका अध्यक्षा ने कहा कि योग हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है जो निरोगी जीवन का एकमात्र मार्ग है। इस अवसर पर पूर्व विधायक नगर स्वच्छता / प्रेरक हरपाल सिंह, पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी, विपिन सागर पियूष चौधरी, अक्षय शुक्ला, गौरव कुमार, दीपू कुमार, सुमित, योगेश कुमार, वंशिक शेखर, रामपाल व्यास, देवेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, दुष्यंत, महेश, मुनेश, विभोर जिंदल, नरेंद्र सिंह, अशोक राणा, सौरभ गोस्वामी, गोपाल अग्रवाल, दिनेश कुमार अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, संजय सिंघल, नरेश बंसल, रामवीर सिंह, उत्तर सिंह प्रजापति, रामप्रकाश, परमपाल विश्वकर्मा, अरुण बंसल एवं महिला शक्ति से ऋषिबाला, निशा, विनीता गर्ग, अंजलि सिंघल, सिमरन, हिमांशी, प्रगति सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक व पालिका कर्मी उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा के बालाजी धाम पार्क में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा स्थित बालाजी धाम पार्क में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामुदायिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम में नगर के सैकड़ो गण मान्य नागरिकों, युवाओं, बच्चों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस योगाभ्यास कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ जीवन जीने का संदेश देना रहा। बता दें कि कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल और अधिशासी अधिकारी (ईओ) अभदेश वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ जगत सिंह सैनी, विवेक एडवोकेट, गौरव अग्रवाल, सुनील प्रजापति, प्रत्यक्ष शर्मा, पवन वर्मा, किशन कुमार, दुलीचंद गिहार, गितेश अग्रवाल, नरेंद्र जाटव, उमेश सैनी, जितेश जाटव, हरषमणी शर्मा, सोनू कुमार, आरती शर्मा, स्वच्छा ब्रांड एम्बेसडर सोनिया अग्रवाल, रजनी गर्ग, निशांत यादव, राजीव उपाध्यक्ष, डॉक्टर नेपाल सिंह, विशाल शर्मा, अमर सिंह, कंचन अग्रवाल, सुभ्रा अग्रवाल, दीपा जैन, रजनी अग्रवाल और भोला अंसारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने योगाभ्यास किया।वहीं इस अवसर पर वहां उपस्थित पतंजलि की वरिष्ठ योग साधिका और मुख्य प्रशिक्षक अनीता भटनागर के नेतृत्व में एक योग टीम ने योगाभ्यास कराया। इस टीम में अरविंद भटनागर, नैन्सी भटनागर और मिंसी भटनागर शामिल थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया। प्रशिक्षकों ने कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और सूर्य नमस्कार के शारीरिक व मानसिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने कहा, ह्योग केवल कसरत नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को एक सूत्र में पिरोने का विज्ञान है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में निरोगी रहने का एकमात्र साधन योग ही है ह्कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने देश और समाज की उन्नति के लिए स्वच्छता बनाए रखने और प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिया। नगर पालिका प्रशासन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी योग गुरुओं और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया।

अध्यक्ष, यूपी सिडको द्वारा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय के निमार्णाधीन भवन का किया गया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वाई० पी० सिंह , माननीय अध्यक्ष, यूपीसिडको, उ०प्र० सरकार, दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री जी द्वारा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय ग्राम सोहत ब्लॉक हसनपुर में निमार्णाधीन भवन का निरीक्षण किया गया। तहसील हसनपुर क्षेत्र के गांव सोहत में करीब 23 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से बन रहे राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे यूपीसीडको के अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री वाई.पी. सिंह ने निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं पर कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान निर्माण की गुणवत्ता, मानकों की अनदेखी और लापरवाही सामने आने पर नाराजगी जताते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय के प्रत्येक कक्ष, छत, बाउंड्रीवाल, रंगाई-पुताई, टाइल्स, विद्युत फिटिंग और अन्य निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। कई कमरों में टूटी हुई टाइल्स मिलने पर उन्होंने तत्काल उन्हें बदलने के निर्देश दिए। वहीं परिसर में धुलाई के बाद पानी भवन के भीतर जमा होने पर संबंधित को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से निर्माण में तकनीकी खामियों का प्रमाण है। सबसे अधिक नाराजगी उस समय देखने को मिली जब कमरों में बिजली के बोर्ड निर्धारित मानक ऊँचाई के स्थान पर अधिक ऊंचाई पर लगे मिले। अध्यक्ष ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए इसको ठीक कराने के निर्देश दिए, कहा कि निर्माण में तय मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। विद्यालय में बच्चों के लिए रखे गए गद्दों में पानी भरा मिलने पर भी वाई पी सिंह जी ने नाराजगी जताते हुए कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि बच्चों की सुविधाओं के साथ लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वाई पी सिंह ने विद्यालय की बाउंड्रीवाल को हथौड़े से तुड़वाकर उसकी गुणवत्ता भी जांची। प्रथम दृष्टया निर्माण सामग्री मानक के अनुरूप नहीं मिलने पर उन्होंने गुणवत्ता की जांच के निर्देश दिए। बताया गया कि 490 सीटों वाले इस राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय का निर्माण कार्य सितंबर 2020 से चल रहा है। एक कमरे का दरवाजा ठीक से बंद नहीं होने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि बच्चों के भविष्य से जुड़ी परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित फर्म को स्पष्ट चेतावनी दी कि एक महीने बाद दोबारा निरीक्षण किया जाएगा। यदि तब भी कमियां मिलीं तो फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन, यूपी सिडको के अधिकारी सहित सम्बंधित फर्म के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद में भव्यता के साथ मना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, हजारों ने किया योगाभ्यास

अमरोहा (सब का सपना):- योगा फॉर हेल्दी एजिंग थीम पर बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को राजकीय मिनी स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जनपद की समस्त तहसीलों, निकायों, ब्लॉकों एवं ग्राम पंचायतों में भी योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि यूपीसिडको अध्यक्ष व राज्यमंत्री वाई० पी० सिंह, अति विशिष्ट अतिथि आवास आयुक्त व जिला नोडल अधिकारी बलकार सिंह, शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लों, भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़, नपा अध्यक्ष शशि जैन और सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र उपस्थित रहे। आचार्य नीतीश भारद्वाज ने योगासन कराए। हजारों नगरवासियों, अधिकारियों-कर्मचारियों ने उत्साह से योग-प्राणायाम किया। योग गुरु ने हर उम्र के लोगों को स्वस्थ रहने के योग मंत्र सिखाए। मुख्य अतिथि वाई० पी० सिंह ने कहा कि योग शरीर को मन से, मन को बुद्धि से, बुद्धि को आत्मा से और आत्मा को भगवान से जोड़ता है। योग के माध्यम से विश्व में भारत की पहचान बन रही है। नोडल अधिकारी बलकार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से 2014 में शुरू योग दिवस का उद्देश्य कम प्रयासों से स्वस्थ-निरोगी रहना है। भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि योग हमारी संस्कृति है। यह एक दिन का नहीं, जीवन भर का उत्सव हो। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने कहा कि पूरे सप्ताह योग सप्ताह मनाया गया। योग को दिनचर्या में शामिल करें। नियमित अभ्यास से शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व नोडल अधिकारी को ओडीओपी उत्पाद ढोलक भेंट की गई। योग प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एडीएम वित्त गरिमा सिंह, एडीएम न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 प्रतीक अग्रवाल सहित हजारों लोगों ने योग का लाभ लिया।

जिला अधिकारी डॉक्टर नितिन गौड़ की अवैध खनन/परिवहन पर कड़ी कार्रवाई, चला चाबुक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई जारी है। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक श्री लखन सिंह यादव के नेतृत्व में गठित टास्क फोर्स ने रात के अंधेरे में भी सघन निगरानी अभियान चलाया। शनिवार रात लगभग 12 बजे थाना अमरोहा अंतर्गत चौकी मुनव्वरपुर क्षेत्र में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ और एसपी ने खुद खनन परिवहन वाले वाहनों की चेकिंग की। विभिन्न मार्गों- नेशनल हाईवे-09, अमरोहा-कांठ रोड, अमरोहा-नौगावां रोड, गजरौला-बिजनौर रोड और गजरौला-हसनपुर रोड पर कुल 47 वाहनों का निरीक्षण किया गया। रात्रि 11:00 बजे से 2:30 बजे तक चलाए गए इस प्रवर्तन अभियान में 6 वाहन निरुद्ध किए गए, जिन पर लगभग 3 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। पकड़े गए डंपर ओवरवेट, फॉल्टी रजिस्ट्रेशन और नंबर प्लेट क्लियर न पाए जाने पर जब्त कर लिए गए। जिलाधिकारी के निर्देश पर इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दे दिए गए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए गए दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने जिला खनन अधिकारी, एआरटीओ और पुलिस विभाग को सख्त निर्देश दिए हैं कि ऐसे अभियान समय-समय पर निरंतर चलाए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा, अवैध खनन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अवैध खनन एवं परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, कठोर कार्यवाही होगी। जिलाधिकारी के कुशल निर्देशन में जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों द्वारा लगातार प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित संयुक्त चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं अवैध खनन या खनिजों के अवैध परिवहन की सूचना मिले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित जांच एवं कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित पुलिस बल और टास्क फोर्स के सदस्य उपस्थित रहे।

बाल श्रम और बाल विवाह के खिलाफ चला विशेष अभियान, 9 नाबालिग बच्चों को कराया गया मुक्त

संभल(सब का सपना):- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशों के तहत संचालित अखिल भारतीय बाल बचाव एवं पुनर्वास, किशोर श्रम उन्मूलन, बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शनिवार को संभल और नखासा क्षेत्र में विशेष जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया। अभियान में थाना एएचटी टीम के प्रभारी निरीक्षक पवनवीर सिंह राणा, श्रम विभाग के श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोहम्मद आजम तथा प्रयत्न संस्था (जस्ट राइट एनजीओ) के प्रभारी गौरी शंकर चौधरी अपनी-अपनी टीमों के साथ शामिल रहे। संयुक्त टीम ने संभल और नखासा क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले स्थानों, चौराहों तथा 10 प्रतिष्ठानों की जांच की। अभियान के दौरान 6 स्थानों का निरीक्षण किया गया, जहां से 9 नाबालिग बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराकर उनका रेस्क्यू किया गया। बच्चों की काउंसलिंग कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान किसी भी स्थान पर बाल भिक्षावृत्ति की घटना नहीं मिली। टीम ने प्रतिष्ठान संचालकों को नाबालिग बच्चों से काम न कराने के लिए जागरूक करते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से श्रम कराना कानूनन अपराध है। साथ ही आमजन को बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति और बाल विवाह रोकने के प्रति जागरूक किया गया तथा आपातकालीन सहायता के लिए 1098, 112, 108, 1076, 181 और 1090 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। प्रशासन ने लोगों से अपील की कि ऐसी किसी भी घटना की सूचना तत्काल संबंधित हेल्पलाइन या पुलिस को दें, ताकि बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

गुन्नौर में 6 बीघा सरकारी भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा, प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर जनपद में सरकारी भूमि, चकमार्गों और तालाबों से अवैध कब्जे हटाने के अभियान के तहत शनिवार को गुन्नौर तहसील क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम ने करीब 6 बीघा सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया। जिलाधिकारी के निदेशानुसार उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकासचन्द्र के नेतृत्व में तहसीलदार रवि सोनकर, नायब तहसीलदार अनुज कुमार, राजस्व निरीक्षक गवेन्द्र सिंह एवं जाहरी सिंह, लेखपालों तथा पुलिस बल की संयुक्त टीम ने ग्राम ईकौना में अभियान चलाया। टीम ने गाटा संख्या 187 (0.200 हेक्टेयर), 194 (0.287 हेक्टेयर) और 195 (0.076 हेक्टेयर) की राजस्व भूमि का मौके पर चिन्हांकन किया। यह भूमि राजस्व अभिलेखों में श्रेणी 5-3 (ड़) ढाका के रूप में दर्ज है, जिस पर गांव के कुछ लोगों द्वारा अस्थायी रूप से अवैध कब्जा किया गया था। प्रशासन ने पुलिस बल की मौजूदगी में कब्जा हटाकर भूमि को कब्जामुक्त करा लिया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्पष्ट कहा कि जनपद में तालाबों, चकमार्गों और सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों और खंड विकास अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर अभियान चलाने तथा सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जनपद में दो हेक्टेयर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों का चिन्हीकरण कर उनकी सूची तैयार की जा रही है और उन पर हुए अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई भी लगातार जारी रहेगी।

अवैध खनन पर प्रशासन का शिकंजा, मिट्टी से भरे तीन डंपर किए सीज

बनियाठेर/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन और शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ शनिवार को बड़ी कार्रवाई की गई। खनन विभाग और परिवहन विभाग (आरटीओ) की संयुक्त टीम ने थाना बनियाठेर क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध रूप से मिट्टी का परिवहन कर रहे तीन डंपरों को पकड़कर सीज कर दिया। संयुक्त टीम ने ग्राम अलीपुर बुजुर्ग, पुलिस चौकी आटा क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान बिना वैध अनुमति मिट्टी का परिवहन कर रहे तीन डंपर पकड़े गए। इनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली एवं अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए वाहनों को सीज कर दिया गया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। जिलाधिकारी ने सभी प्रवर्तन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ऐसे मामलों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित रूप से संयुक्त चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने बताया कि अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खनन विभाग, परिवहन विभाग और स्थानीय पुलिस के समन्वय से लगातार कार्रवाई की जा रही है। भविष्य में भी अभियान और अधिक सघन रूप से चलाए जाएंगे ताकि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और राजस्व की हानि को रोका जा सके। प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध खनन या खनिजों के अवैध परिवहन की जानकारी मिले तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें। प्राप्त सूचना पर त्वरित जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेंथा और बासमती के बाद आलू निर्यात में भी संभल ने बनाई नई पहचान

संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी को कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग के निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने जनपद संभल से हो रहे कृषि निर्यात और इसकी संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि जनपद से मुख्य रूप से मेंथा और बासमती चावल का निर्यात किया जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 के तहत कृषि उत्पादों के निर्यात पर परिवहन अनुदान की सुविधा उपलब्ध है। पात्र निर्यातक निर्धारित प्रपत्रों के साथ आवेदन कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष पहली बार संभल से आलू का निर्यात बहरीन किया गया, जो जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इसके अलावा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को भी कृषि निर्यात से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में सीएससी सरसी यूपी एग्रीकल्चर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ मोहम्मद फहीम ने हैदराबाद में आयोजित कृषि निर्यात प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर निर्यात संबंधी तकनीकी जानकारी प्राप्त की है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि संभल में कृषि निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। योजनाबद्ध प्रयासों और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले के कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाया जा सकता है, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। इस अवसर पर राज्य मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने निर्यातकों से कृषि निर्यात नीति-2019 के तहत उपलब्ध परिवहन अनुदान का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ेगी और जनपद संभल की पहचान राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी और मजबूत होगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम सख्त, लापरवाह अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश

संभल (सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील चंदौसी में आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने की और फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों को किसी भी स्थिति में लंबित न रखा जाए और प्रत्येक प्रार्थना पत्र का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति ठियाबंदी उखाड़ने का कार्य करता है तो उसके विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कराकर कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों पर सख्ती दिखाते हुए जिलाधिकारी ने एक दिन का वेतन काटने और स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही धारा-24 की लंबित पत्रावलियों का शीघ्र निस्तारण करने, सहकारी समितियों पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने तथा चकरोड और सरकारी तालाबों से अवैध कब्जे हटाने के लिए राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने विनियमित क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग हटाने, विवादित विरासत और अंश निर्धारण के मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

नगर पालिका एवं नगर पंचायत अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने, टीम बनाकर सफाई कराने और जियो टैग फोटो व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा करने को कहा। उन्होंने मौलागढ़ में जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान करने तथा शहर की सड़कों के किनारे कचरा न दिखाई देने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीती यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कैनरा बैंक आरसेटी में ब्यूटी पार्लर, जूट उत्पाद और टेलरिंग प्रशिक्षण के नए बैच शुरू

बहजोई/संभल (सब का सपना):- ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से कैनरा बैंक आरसेटी बहजोई (संभल) में ब्यूटी पार्लर, जूट उत्पाद निर्माण और महिला टेलरिंग के नए प्रशिक्षण बैच शुरू किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। संस्थान की ओर से आयोजित सभी प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होंगे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबंधित व्यवसायों का व्यावहारिक ज्ञान, उद्यमिता विकास, व्यवसाय प्रबंधन, विपणन तथा स्वयं का रोजगार स्थापित करने से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जाएगी, ताकि वे प्रशिक्षण के बाद आत्मनिर्भर बन सकें। संस्थान के निदेशक ने जनपद के बेरोजगार युवक-युवतियों और महिलाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा। कैनरा बैंक आरसेटी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

प्राचीन बांकेबिहारी मंदिर और निमार्णाधीन स्टेडियम पहुंचे डीएम, विकास कार्यों में तेजी के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने शनिवार को विकासखंड बनियाखेड़ा के ग्राम गणेशपुर स्थित वर्ष 1884 में स्थापित प्राचीन मनोकामना मंदिर श्री बांकेबिहारी का भ्रमण कर दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित जलकुंड का भी निरीक्षण किया और मंदिर के संरक्षण एवं विकास को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्राचीन बांकेबिहारी मंदिर को विकसित कर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बनाया जाए। इसके लिए मंदिर के समुचित रखरखाव एवं प्रबंधन हेतु एक समिति गठित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों के संरक्षण और विकास को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इसके बाद जिलाधिकारी चन्दौसी स्थित गणेश मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान गणेश के दर्शन किए तथा मंदिर परिसर में स्थापित विशाल प्रतिमा का अवलोकन किया।

दौरे के अगले चरण में जिलाधिकारी ने चन्दौसी-बहजोई मार्ग स्थित ग्राम भरतरा में खेल विभाग द्वारा निमार्णाधीन स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था यूपी प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और स्टेडियम के मानचित्र का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेडियम तक पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए रेलवे विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत विभाग को बिजली के तारों की शिफ्टिंग का कार्य भी शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए, ताकि स्टेडियम का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी चन्दौसी नीतू रानी, तहसीलदार रविन्द्र विक्रम, उप क्रीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्र सेवी संगठन ने मनाया पितृ दिवस, ग्रामीणों ने लिया बुजुर्गों के सम्मान का संकल्प

बहजोई/संभल (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को रिक्रूट सेंटर ईश्वर दास टेक्निकल इंस्टीट्यूट, बहजोई में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्थ एजी (स्वस्थ आयु के लिए योग) रही, जिसका उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना है कि योग केवल फिट रहने का माध्यम नहीं, बल्कि बढ़ती उम्र में भी शरीर, मन और संतुलन को स्वस्थ बनाए रखने का प्रभावी उपाय है। योग शिविर में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। योगाचार्य ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराते हुए योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवनशैली है, जो शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक तनाव को दूर कर आत्मबल बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही यह पर्यावरण और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का भी बोध कराता है। इस अवसर पर मंडलायुक्त मुरादाबाद आंजनेय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, क्षेत्राधिकारी संभल कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चंदौसी विवेक जावला, क्षेत्राधिकारी असमोली अमन सिंह, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर अंकित मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक अशोक कुमार सहित पुलिस विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मादा गुलदार वन विभाग के पिंजरे में कैद, दो दिन में दूसरी बड़ी सफलता

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना थाना क्षेत्र के ग्राम अलीपुराजट में लगातार दहशत का कारण बनी मादा गुलदार को आखिरकार वन विभाग की टीम ने पिंजरे में कैद कर लिया। गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में गुलदार की गतिविधियां देखी जा रही थीं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल था। वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था, जिसमें शुक्रवार को मादा गुलदार फंस गई। वन विभाग की टीम ने

सुरक्षा व्यवस्था के बीच मादा गुलदार को पिंजरे सहित कब्जे में लेकर कृषि अनुसंधान केंद्र पहुंचाया, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। इसके बाद उच्चाधिकारियों के निदेर्शानुसार उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़े जाने की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों के भीतर वन विभाग ने दूसरी बार गुलदार को सफलतापूर्वक पकड़ा है। लगातार दो गुलदारों के पकड़े जाने को वन विभाग की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में गुलदार या अन्य वन्यजीव दिखाई दे तो उसे घेरने या परेशान करने का प्रयास न करें, बल्कि तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू अभियान चलाया जा सके। गुलदार के पकड़े जाने के बाद अलीपुराजट और आसपास के गांवों के लोगों ने राहत व्यक्त करते हुए वन विभाग की कार्रवाई की सराहना की है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ योगाभ्यास, स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- लाला प्यारे लाल सरस्वती शिशु मंदिर, चांदपुर में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समाज के लोगों को योग के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में योगाचार्य डॉ. मोहित कुमार ने उपस्थित सभी लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि तन, मन और आत्मा को संतुलित रखने की भारतीय जीवन-पद्धति है। नियमित योगाभ्यास से शरीर निरोग रहता है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। योगाभ्यास कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों, अभिभावकों, पत्रकार बंधुओं, भैया-बहनों तथा विद्यालय के आचार्य एवं समस्त स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने सामूहिक रूप से योग कर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मदन सिंह ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है और इसे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाकर हम स्वस्थ एवं सुखी समाज का निर्माण कर सकते हैं।

उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में 12 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों द्वारा योग शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में लोगों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन और प्राणायाम किए। प्रशिक्षकों ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक तनाव कम होता है और व्यक्ति का संपूर्ण विकास होता है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने सभी से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए नियमित रूप से योग करने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 2786 मरीजों का हुआ मुफ्त उपचार, 145 आयुष्मान कार्ड भी बने

संभल(सब का सपना):- जनपद के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 9 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रविवार को 258वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। मेले में 33 चिकित्सकों और 130 पैरामेडिकल स्टाफ ने कुल 2786 मरीजों का उपचार किया। इनमें 1351 पुरुष, 981 महिलाएं और 454 बच्चे शामिल रहे। साथ ही आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के तहत 145 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मेले

में 455 चर्म रोग, 320 दमा, 211 बुखार, 97 उच्च रक्तचाप, 88 मधुमेह तथा 21 नेत्र रोग से संबंधित मरीजों का उपचार किया गया। बुखार से पीड़ित 16 मरीजों की मलेरिया और 3 मरीजों की डेंगू जांच कराई गई, जिनकी सभी रिपोर्ट नेगेटिव आईं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन परामर्श एवं चॉइस ऑफ बास्केट सामग्री वितरण के लिए अलग काउंटर बनाए गए। जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकताओं ने संचारी रोगों की रोकथाम, सोर्स रिडक्शन तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 371 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श भी दिया। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी आरोग्य मेला स्थलों पर योगाभ्यास का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा 153 मरीजों को टेली-मानस कंसल्टेंसी की सुविधा प्रदान की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न आरोग्य मेला स्थलों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

गजरौला में अयोध्या चंदा चोरी पर AAP पार्टी का प्रदर्शन, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला औद्योगिक नगरी स्थित इंदिरा चौक चौराहे पर रविवार को आम आदमी पार्टी (AAP) के कार्यकताओं ने अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा चोरी के कथित मामले को लेकर इंदिरा चौक स्थित साईं मंदिर पर बैठकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शन करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए गंभीर आरोप लगाए और जमकर नारेबाजी की। बता दें कि प्रदर्शन के

दौरान वहां उपस्थित पार्टी के जिला अध्यक्ष कुशल चौधरी ने बताया कि यह प्रदर्शन राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के निर्देश पर किया गया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भगवान के घर को भी नहीं बख्शा जा रहा, तो अन्य जगहों पर क्या उम्मीद की जाए।संजय सिंह के दिशा-निर्देश पर पूरे प्रदेश में आम आदमी पार्टी द्वारा एक बड़ा आंदोलन चलाया गया है। इसके तहत पार्टी ने सभी जिला मुख्यालयों और प्रमुख चौराहों पर 'भिक्षाटन कार्यक्रम' आयोजित किया, जिसका मुख्य नारा 'चंदा चोरों गद्दी छोड़ो' है।इस आंदोलन का उद्देश्य भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के कथित दोहरे चरित्र को उजागर करना है। जिला अध्यक्ष कुशल चौधरी ने राम मंदिर में चोरी और केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि प्रभु श्री राम हम सभी की आस्था के सर्वोच्च प्रतीक हैं।उन्होंने आगे कहा कि उनके भव्य मंदिर निर्माण के नाम पर करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी गाढ़ी कमाई समर्पित की थी। लेकिन आरएसएस और भाजपा के पदाधिकारी, जो खुद को धर्म का ठेकेदार बताते हैं, उन्हीं के द्वारा इस पवित्र चंदे में भारी हेराफेरी की जा रही है। इसे करोड़ों रामभक्तों की भावनाओं के साथ बड़ा विश्वासघात बताया गया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सीबीआरएसईटी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास, 60 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को कैनरा बैंक आरएसईटीआई बहजोई (संभल) परिसर में योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 60 प्रशिक्षुओं एवं संस्थान के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एलडीएम संभल ललित विजय राय की उपस्थिति में हुआ। योग सत्र का संचालन प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों आयुष चिकित्सक अमरनाथ (चन्दौसी), डॉ. दीपिका शर्मा (सीएचसी बहजोई) एवं डॉ. शोभित शुक्ला ने किया। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और

ध्यान का अभ्यास कर शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैनरा बैंक आरएसईटीआई संभल के संकाय सदस्यों ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की इस वर्ष की थीम के अनुरूप किया गया, जिसमें मन, शरीर और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने नियमित योग करने का संकल्प भी लिया। समारोह का समापन एलडीएम ललित विजय राय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने संस्थान की समग्र विकास और सामुदायिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर आरएसईटीआई संकाय संतोष कुमार, मानसी शर्मा, कार्यालय सहायक सुजीत सिंह, विशेष, परिचारक रनवीर, कंप्यूटर अकाउंटिंग डीएसटी अंकित राठौर एवं विकास बाबू सहित संस्थान के कर्मचारी उपस्थित रहे।

हसनपुर में ऑपरेशन क्लीन-2 के अंतर्गत कुल 37 वाहनों की निलामी,4,00,000 की राजस्व प्राप्ति

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर थाना परिसर में ऑपरेशन क्लीन-2 के अंतर्गत माल मुकदमती कल 37 वाहनों की नीलामी की गई जिसमें 30 दो पहिया वाहन एवं साथ चार पहिया वाहन शामिल रहे इस नीलामी से विभाग को ड्ड4,00,000 की राजस्व प्राप्ति हुई। इस ऑपरेशन के अंतर्गत पूरे जनपद अमरोहा में अब तक कुल 525 वाहनों की नीलामी हो चुकी है जिसके तहत विभाग को अब तक 72 लाख 19 हजार 384 की राजस्व प्राप्ति हो चुकी है। बता दें कि थाना हसनपुर परिसर व परिसर के बाहर बेहिसाब संख्या में दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं। इन वाहनों से थाने की काफी अधिक भूमि व्यर्थ हो जाती है व दैनिक थाना कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होता है। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हैं । जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। थाना परिसर में लम्बे समय से खड़े वाहनों के सम्बन्ध में समय-समय पर न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये है।उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु लखन सिंह यादव पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद अमरोहा में 'आपरेशन क्लीन-2' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत कार्यवाही प्रचलित है। रविवार को उपजिलाधिकारी हसनपुर की अध्यक्षता व नायब तहसीलदार हसनपुर जनपद अमरोहा की उपस्थिति में गठित टीम में श्रीमान क्षेत्राधिकारी हसनपुर, प्रभारी निरीक्षक हसनपुर, हैड मौहर्रिर थाना हसनपुर जनपद अमरोहा की गठित कमेटी द्वारा थाना हसनपुर में लम्बित मालमुकदमाती कुल (30 दोपहिया वाहन व 07 चार पहिया वाहन) वाहनों की नीलामी थाना हसनपुर परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी। जिससे कुल नीलामी की धनराशि कुल ड्ड 400000/- रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ । जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 7 बिछड़े परिवारों का हुआ पुनर्मिलन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के निर्देश पर संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन बहजोई में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष डॉ. रूकमपाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न पारिवारिक विवादों का समाधान काउंसलर्स की मदद से आपसी सुलह और समझौते के आधार पर कराने का प्रयास किया

गया। काउंसलिंग के दौरान कुल 99 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिनमें से 25 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें 7 परिवारों का आपसी सहमति से पुनर्मिलन कराया गया, जबकि 4 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। वहीं 14 पत्रावलियां आवेदक या आवेदिका के काउंसलिंग में उपस्थित न होने अथवा मामले को आगे न बढ़ाने के कारण बंद कर दी गईं। बैठक में काउंसलर लवमोहन वार्ष्णेय, पूनम अरोरा, कंचन माहेश्वरी, श्वेता गुप्ता, बबिता शर्मा और सीमा आर्य ने पारिवारिक विवादों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत तथा महिला आरक्षी विनीता सहित अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य पति-पत्नी के बीच उत्पन्न मतभेदों को बातचीत और आपसी सहमति के माध्यम से दूर कर परिवारों को टूटने से बचाना है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढ़नपुर में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढ़नपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्राचार्य शाहीन के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में योग के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।योग प्रशिक्षक महेश कुमार और रेनू वड्डा ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्राचार्य शाहीन ने योगासन सत्र का शुभारंभ करते हुए योग से होने वाले लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि मानसिक शांति, एकाग्रता और तनाव मुक्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राचार्य शाहीन ने शिक्षकों और प्रशिक्षुओं को दैनिक जीवन में योग को शामिल करने की अपील की।योगासन अभ्यास सत्र में प्रतिभागियों ने विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। इस दौरान प्रवक्ता डॉ. कुंदन सिंह, दीपक कुमार, जितेंद्र कुमार, अरविंद कुमार, पूनम रानी, राहिल जहां, निशु चौधरी सहित समस्त डीएलएड प्रशिक्षु और कार्यालय स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार और अन्य योगासन किए।कार्यक्रम का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाना और युवा पीढ़ी को इसके प्रति जागरूक करना था।

लग्जरी कार से 25 लाख का गांजा बरामद,चार आरोपी गिरफ्तार

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के औरंगाबाद पुलिस ओर स्वाट टीम ने रविवार को वाहन चेकिंग के दौरान एक लग्जरी कार से पच्चीस लाख की कीमत का अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार मोबाइल फोन भी बरामद किए है। सीओ सिटी प्रखर पांडेय ने बताया कि इंस्पेक्टर औरंगाबाद मोहम्मद असलम ओर स्वाट प्रभारी संदीप मलिक बुलंदशहर गढ़मुक्तेश्वर हाईवे स्टेट स्थित लखावटी मध्य गंग नहर पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस

दौरान पुलिस ने आर्टिका कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देख कार चालक ने गाड़ी को मोड़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने कार की घेराबंदी करते हुए कार को पकड़ लिया और तलाशी के दौरान कार से गांजा बरामद कर लिया। पुलिस कार समेत सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अवैध गांजा बेचने का जुर्म कबूल कर लिया।करीब एक कुंतल सड़सठ किलो सात सौ पचास ग्राम गांजा बरामद हुआ है। जिसकी कीमत करीब पच्चीस लाख रुपए बताई जा रही ई है। पुलिस ने अंकित पुत्र ऊदल सिंह व मोहनीश पुत्र महेश बाबू निवासी गांव अच्छेजा जनपद गौतमबुद्धनगर,सुनील नोनिया पुत्र अरविंद कुमार निवासी बहराइचा खारी यमुनानगर प्रयागराज,राहुल कुमार पुत्र शेषमणि जाटव निवासी राजापुर मांडा यमुनानगर प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों का चालान कर दिया है।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
सोमवार 22 जून 2026
www.sabkasapna.com

पीएम स्वनिधि महोत्सव में पथ विक्रेताओं का हुआ सम्मान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूर्ण होने पर डूडा बुलंदशहर द्वारा पीएम स्वनिधि महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मीराज सिंह, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष दीप्ति मित्तल तथा परियोजना अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार सिंह मौजूद रहे। इस दौरान योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले शहरी पथ विक्रेताओं, डिजिटल लेन-देन

में बेहतर प्रदर्शन करने वाले लाभार्थियों तथा विभागीय कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। लाभार्थी कैलाश भटनागर ने बताया कि कोरोना काल में योजना के तहत मिले ऋण से उन्होंने अपना कारोबार शुरू किया, जो अब लगातार आगे बढ़ रहा है। अधिकारियों ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना शहरी पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाने और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 54 शिकायतें प्राप्त, 20 का मौके पर निस्तारण

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील खुर्जा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान 54 फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें से 20 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष प्रकरणों को संबंधित

विभागों को भेजते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी देहात अंतरिक्ष जैन, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील दोहरे, उपजिलाधिकारी खुर्जा प्रतीक्षा पांडेय, क्षेत्राधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हाईटेंशन तार टूटने से तीन कुत्तों की मौत, बड़ा हादसा टला

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव विलोना में मंगलवार देर रात हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर सड़क पर गिर गया। करंट की चपेट में आने से तीन आवारा कुत्तों की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद कई घंटे तक बिजली विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। सुबह तक तार सड़क पर पड़ा रहा। ग्रामीणों ने जर्जर तारों को बदलने और विद्युत व्यवस्था की जांच कराने की मांग की है। समय रहते लोगों की नजर पड़ने से बड़ा हादसा टल गया।

संयुक्त चेकिंग अभियान में 115 वाहनों पर कार्रवाई, ओवरस्पीड और हेलमेट उल्लंघन सबसे अधिक

बुलन्दशहर (सब का सपना):- सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने यातायात पुलिस के साथ संयुक्त चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। अभियान के दौरान 8 ओवरलोड वाहन, 27 बिना हेलमेट, 38 ओवरस्पीड, 8 नशे की हालत में वाहन चलाने, 4 बिना नंबर प्लेट, 22 सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़ा करने तथा 8 अनाधिकृत बस संचालन के मामलों में कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर रामवीर सिंह ने किया योगाभ्यास

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष रामवीर सिंह ने योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा, योग जीवनशैली है जो तन-मन को स्वस्थ रखता है। दूषित खान-पान से बचाव का माध्यम योग ही है। उन्होंने प्रतिदिन योग अपनाने की अपील की। सभी ने योग का संकल्प लिया।

बुगरासी में भी नही थम रहा प्रतिबंधित पेड़ों का कटान

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- आये दिन कहीं ना कही से प्रतिबंधित पेड़ों के कटान की खबर छपती रहती है। शनिवार सुबह दौलतपुर स्टैंड पर आम की लकड़ियों से भरी बुग्गी सरेआम प्रतिबंधित कटी लकडी उतार रही है। जानकारी के अनुसार ये लकडी माफिया इसी तरह थोडी थोडी प्रतिबंधित पेडो की कटाई करते रहते हैं।ऐसा बिल्कुल भी नही है कि शासन प्रशासन को इसकी खबर ना हो।इनकी जानकारी के बिना तो एक पत्ता भी नही कट सकता है।पहले इन्हीं को भेंट चढ़ाई जाती है तब जाके कुल्हाड़ी चलाई जाती है।ये कटाई इसी तरह होती रहेगी,लकडी माफियाओं की मर्जी के बिना कुछ भी नही हो सकता है।

'राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में क्यों नहीं हुई प्राथमिकी, केजरीवाल बोले- आखिर किसे बचा रही सरकार?

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आयोध्या स्थित राम मंदिर में चंदे और चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने पर सवाल उठाया है कि इस मामले में अभी तक एफआईआर क्यों नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में करोड़ों हिंदुओं की आस्था है। उसी राम मंदिर से करोड़ों रुपये के चंदे की चोरी हो गई, लेकिन अभी तक एक भी एफआईआर दर्ज नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आखिर सरकार किसे बचा रही है? कहा कि इस पाप में शामिल लोग कितने भी बड़े क्यों न हों, उन्हें सीधे जेल में डाल देना चाहिए। कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा जरूरी है। रविवार को राम मंदिर में चंदे की चोरी मामले को लेकर केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर कहा कि आयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों रुपए की चंदे की चोरी हो गई। बताया जा रहा है कि लगभग 200 करोड़ रुपये के कैश ही चोरी हो गया और कई हीरे जवाहरात के बक्शे चोरी हो गए। आप संयोजक ने कहा कि इस चोरी के मामले में न उत्तर प्रदेश पुलिस ने कोई एफआईआर की है और ना ही ईडी-सीबीआई ने कोई एफआईआर दर्ज की है। कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश दोनों जगह भाजपा की सरकार है, लेकिन अभी तक कोई छापेमारी भी नहीं हुई है।

लॉरेंस अकादमी गुलावठी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया गया विशेष कार्यक्रम का आयोजन

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- लॉरेंस अकादमी, गुलावठी में 12वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग रही। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास में भाग लिया और योग के महत्व को समझा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। विद्यालय के सम्माननीय मैनेजर सुहैमुद्दीन मेवाती एवं डायरेक्टर शोएब मेवाती ने सभी

विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने सभी को नियमित योग अपनाने और स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती तृप्ति तिवारी जी ने अपने संबोधन में योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए विद्यार्थियों को इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

विद्यालय परिवार ने योग अपनाएँ, स्वस्थ रहें और जीवन को खुशहाल बनाएँ के संदेश के साथ कार्यक्रम का सफल समापन किया।

औरंगाबाद में दुलदुल घोड़े के जुलूस में उमड़ा सैलाब

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- मोहर्रम पर्व के अवसर पर चांद की पांच तारीख होने पर रविवार को (जुलजनाह) दुलदुल घोड़े का विशाल जुलूस निकाला गया। जिसमें श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।मोहल्ला सादात स्थित खामनेई चौक बड़ वाले इमामबाड़े से दुलदुल घोड़े का जुलूस शुरू हुआ। कार्यक्रम संयोजक शाहिद नकवी ने पहला मरसिया पढ़कर जुलूस की शुरूआत की। जुलूस में शामिल शिया समुदाय के लोग शोक के प्रति नंगे पैर काले वस्त्र धारण करते हुए इमाम हुसैन की याद में मातम करते हुए चल रहे थे। श्रद्धालुओं ने दुलदुल घोड़े को चने की दाल और जलेबी खिलाई।जुलूस सदर बाजार,

कसाईबाड़ा, स्याना सिकंदरा, गुलावठी, नई बस्ती होता हुआ इमामबाड़े में पहुंचकर संपन्न हुआ।जिसके बाद तवरूफ का वितरण किया गया। जुलूस में हसनैन अब्बास नकवी, शाहिद नकवी,जरार हुसैन पोलू ,मोहम्मद आमिर,अमीर रिजवी, अब्बू तालिब जैदी,मोहम्मद अब्बास, सकलेन अब्बास,सुजात अली, हुसैन हुजूर,अब्बास हुजूर, अली अकबर,मोहम्मद हनीफ, सज्जाद हुसैन,नसीर पहलवान,हसन जफर आदि मौजूद रहे। जुलूस के दौरान थाना प्रभारी भारी पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे।

दिल्ली हाई कोर्ट का अहम फैसला, पॉक्सो दोषी को सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए मिली पैरोल

नई दिल्ली। पॉक्सो अधिनियम से जुड़े एक मामले में दोषी करार दिए गए अपीलकर्ता जसविंदर सिंह को पैरोल देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट में अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने के अधिकार से वंचित न किया जाए और उसे पैरोल देने से इन्कार नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही कोर्ट ने शीर्ष अदालत में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने के लिए आरोपित को चार सप्ताह के लिए सशर्त जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। कानूनी सहायता से जुड़े अभियोजन पक्ष के तर्क को ठुकराते हुए अदालत ने यह भी कहा कि भले ही कैदी कानूनी

सहायता वकील के जरिए एसएलपी दायर कर सकता है, लेकिन अपनी बात असरदार ढंग से रखने के लिए उसे अपना निजी वकील चुनने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि निश्चित तौर पर निजी वकील जेल जाकर याचिकाकर्ता से निर्देश ले सकता है, लेकिन कैदी और उसके वकील के बीच बातचीत के लिए जेल का विजिटर रूम सही जगह नहीं है। अदालत ने पैरोल देने पर दोषी के भागने के संबंध में अलीगढ़ द्वारा दिए गए तर्क को भी यह कहते हुए ठुकरा दिया कि इस आशंका के पीछे पुलिस कोई कारण नहीं बता सकी। दोषी मूल रूप से अलीगढ़ का रहने वाला है और अलीगढ़ पुलिस ने पैरोल देने का विरोध किया था। अभियोजन पक्ष ने यह कहते हुए याचिका का विरोध किया था कि दोषी जेल के अंदर से भी कानूनी मदद लेकर एसएलपी दाखिल कर सकता है।

यह भी कहा था कि दोषी का निजी अधिवक्ता जेल आकर उससे मुलाकात कर सकता है। वहीं, दोषी ने पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले को रद करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल करने के लिए पैरोल की मांग की थी। दो महीने के लिए पैरोल की मांग से जुड़ी उसके आवेदन को पांच दिसंबर 2025 को खारिज कर दिया गया था। आरोपित के खिलाफ वर्ष 2019 में पाक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आईआईटी दिल्ली: पीजी और पीएचडी में एससी की 49 और एसटी की 32 सीटों पर वेकेंसी, कंप्यूटर साइंस-फिजिक्स में सबसे ज्यादा मौके

नई दिल्ली। आइआइटी दिल्ली ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग की खाली सीटों को भरने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। संस्थान का यह कदम उच्च शिक्षा में सामाजिक समावेशन और प्रतिनिधित्व को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आइआइटी दिल्ली के अनुसार पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों में कुल 81 सीटें खाली हैं, जिनमें 49 सीटें एससी और 32 सीटें एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इन सीटों पर योग्य अभ्यर्थियों से आनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 28 जून निर्धारित की

गई है, जबकि 29 जून तक अभ्यर्थियों को अपने आवेदन में आवश्यक संशोधन करने का अवसर मिलेगा। संस्थान का कहना है कि विशेष अभियान का उद्देश्य केवल सीटें भरना नहीं, बल्कि उन प्रतिभाशाली छात्रों तक पहुंच बनाना है जो विभिन्न कारणों से नियमित प्रवेश प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सके। इससे उच्च शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने और सामाजिक न्याय के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। सबसे अधिक रिक्तियां कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा फिजिक्स विभाग में हैं। इसके अलावा मैकेनिकल इंजीनियरिंग, गणित, बायोलॉजिकल साइंसेज, टेक्सटाइल एंड फाइबर इंजीनियरिंग, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, केमिस्ट्री, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और डिजाइन से जुड़े विभागों में भी सीटें उपलब्ध हैं। शिक्षकों का मानना है कि शीर्ष संस्थानों में आरक्षित सीटों का पूर्ण उपयोग होना जरूरी है, क्योंकि इससे वंचित वर्गों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध के बेहतर अवसर मिलते हैं। आईआईटी दिल्ली की यह पहल ऐसे छात्रों के लिए उम्मीद की नई खिड़की खोल सकती है, जो देश के अग्रणी संस्थान में पढ़ाई और शोध का सपना देखते हैं।

लोगों को जंतर-मंतर आने से न रोकें', अभिजीत दीपके ने की दिल्ली पुलिस से अपील

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने रविवार को अधिकारियों से जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन स्थल के शौचालयों में पानी की सप्लाई बंद न करने की अपील की है। हजारों प्रदर्शनकारी वहां जमा हैं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में दीपके ने लिखा, "मैं अधिकारियों से अनुरोध करता हूं कि जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल पर शौचालयों की पानी की सप्लाई बंद न करें। कल रात से पब्लिक रेस्ट रूम में पानी नहीं है।" उनकी यह अपील तब आई जब प्रदर्शनकारी शनिवार रात देर तक जंतर-मंतर पर धरना देते रहे और पुलिस के स्थल खाली करने के निर्देश की अवहेलना की। कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी बार-बार हो रही परीक्षा संबंधी विवादों पर जवाबदेही और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इससे पहले सीजेपी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन स्थल पर लाइटें बंद कर दी हैं और खाने-पीने तथा वॉशरूम की पहुंच पर रोक लगा दी है। दीपके ने पुलिस से अपील की कि जंतर-मंतर आने वाले लोगों को न रोका जाए। उन्होंने लिखा, "मैं पुलिस से अनुरोध करता हूं कि जंतर-मंतर आने वाले लोगों को न रोके। हम कुछ गलत नहीं कर रहे, बस उन छात्रों के लिए न्याय मांग रहे हैं जिन्होंने आत्महत्या कर ली।" इसी बीच, नीट-यूजी 2026 की री-एग्जाम आज देशभर में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हो रही है। 22.79 लाख से ज्यादा उम्मीदवार 5,440 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देंगे। परीक्षा 551 भारतीय शहरों और 14 विदेशी केंद्रों पर आयोजित की जा रही है। अभिजीत दीपके ने परीक्षा देने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और परीक्षा खत्म होने के बाद उन्हें प्रदर्शन में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने लिखा, "नीट री-एग्जाम के सभी अभ्यर्थियों को बेस्ट ऑफ लक। हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। परीक्षा खत्म होने के बाद जंतर-मंतर पर हमारे साथ जुड़िए, हम आप सभी से मिलने के लिए उत्सुक हैं!" सीजेपी ने शिक्षा मंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि वे अपनी सरकारी बंगले में आराम से सो रहे हैं, जबकि 12 छात्रों ने आत्महत्या कर ली, लेकिन उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ रहा। पार्टी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, "धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो!"यह प्रदर्शन सीजेपी द्वारा नीट मुद्दे पर जंतर-मंतर पर आयोजित दूसरा प्रदर्शन है। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने की ठान चुके हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि प्रदर्शन केवल सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक की अनुमति थी

दिल्ली-एनसीआर में परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा, केंद्रीय बलों की भी तैनाती; एनटीए की फुल तैयारी

नई दिल्ली। पेपर लीक होने के चलते रद किए गए नीट-यूजी कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच 21 जून को दोबारा होने जा रही है। इस परीक्षा में 22 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे। इससे पहले शनिवार को एनटीए ने माक ड्रिल के जरिये देश के 551 शहरों के 5440 केंद्रों और विदेश के 14 केंद्रों पर आयोजित होने जा रही परीक्षा की तैयारियों को परखा। परीक्षा अंग्रेजी, हिंदी सहित 12 भारतीय भाषाओं में आयोजित होगी। पूरे आयोजन में तीन लाख से अधिक कर्मचारियों-अधिकारियों को लगाया गया है। एनटीए ने छात्रों को प्रवेश पत्र, एक पहचान पत्र और दो फोटो के साथ निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने के लिए कहा है। गर्मी को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर पीने के पानी, बिजली, पंखे व अभिभावकों के बाहर बैठने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रश्नपत्र तैयार करने वाली विशेषज्ञ टीम को परीक्षा होने तक क्वारंटाइन में रखा गया है। प्रश्नपत्रों को एनटीए के 18 रीजनल सेंटरों तक वायु सेना के विमानों व डाक विभाग की मदद से पहुंचाया गया है। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस के साथ केंद्रीय बलों की भी तैनाती दी गई है। परीक्षा का समय व ड्रेस कोड एनटीए ने इस बार परीक्षा अवधि को 15 मिनट बढ़ाया है। परीक्षा दोपहर दो से शाम 5.15 बजे तक होगी। केंद्रों पर छात्रों को दोपहर 1:30 बजे तक ही प्रवेश दिया जाएगा। एनटीए ने छात्रों को हल्के रंग का आधे बांह का शर्ट या टी-शर्ट और साधारण पैंट या ट्राउजर पहनकर आने की सलाह दी है। फुटवियर में साधारण व कम हील वाले चप्पल व सैंडल पहनकर आने को कहा है। जो छात्र धार्मिक पोशाक पहनते हैं, उन्हें जांच के लिए दोपहर 12:30 बजे तक केंद्र पर पहुंचने के लिए कहा है। इन पर रहेगा प्रतिबंध परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन, स्मार्टवाच, कैलकुलेटर, ब्लूटुथ डिवाइस, वालेट, बेल्ट, बैग पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं। पेन, पेंसिल, किताबें या कागज का टुकड़ा अंदर ले जाने की अनुमति भी नहीं है। छात्रों को पेन परीक्षा कक्ष में मुहैया कराया जाएगा। मधुमेह से पीड़ित छात्रों को पहले से दी गई जानकारी के आधार पर पारदर्शी पानी की बोतल, फल और शुगर की दवाइयां ले जाने की छूट होगी। गाजियाबाद में 22 केंद्रों पर होगी नीट परीक्षा गाजियाबाद जिले में 22 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को सुरक्षा के सख्त पहरे में 9,800 से अधिक अभ्यर्थी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश (नीट - यूजी) की परीक्षा देंगे। इसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है। तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवार को सभी केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट द्वारा बैठक की गई और आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी की गई। परीक्षा केंद्रों पर इलेक्ट्रानिक उपकरण का इस्तेमाल न हो सके, इसके लिए जैमर लगाए गए हैं। प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय आर्म्ड पुलिस फोर्सेज के जवानों की मदद ली जा रही है। प्रत्येक केंद्र पर पुलिस के साथ सीएपीएफ के जवान तैनात रहेंगे। नोएडा में 23 केंद्रों पर होगी परीक्षा मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी पुनर्परीक्षा 2026 नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा रविवार को गौतमबुद्ध नगर में 23 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। केंद्रों पर 10,822 छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। हर परीक्षा केंद्र पर तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा आयोजित की जाएगी। केंद्र के मुख्य प्रवेश गेट के साथ आसपास के क्षेत्र में पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। गुरुग्राम में 18 केंद्रों पर होगी नीट परीक्षा रविवार यानी आज को होने वाली नीट परीक्षा को लेकर शनिवार से ही केंद्रों के बाहर पुलिस की तैनाती कर दी गई। गुरुग्राम में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व व्यवस्थित ढंग से परीक्षा संपन्न कराने के लिए गुरुग्राम पुलिस ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं। गुरुग्राम में आज कुल 18 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें 6804 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए कुल 380 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

सरवना भवन में फ्री ब्राउनी या संजय वन में वॉक, दिल्ली में फादर्स डे को स्पेशल बनाने के लिए कहां-कहां हो रहे इवेंट्स?

दक्षिणी दिल्ली। किसी के लिए पिता बचपन की सबसे सुरक्षित जगह हैं, तो किसी के लिए हर मुश्किल में चुपचाप साथ खड़े रहने वाला सहारा। 21 जून को फादर्स डे के मौके पर युवाओं ने इस रिश्ते को खास बनाने के लिए अपने अंदाज में तैयारी है। पापा को कोई कस्टमाइज्ड गिफ्ट के जरिए अपने दिल की बात कहना चाहता है, तो कोई पापा के साथ पूरा दिन बिताकर नई यादें संजोने की तैयारी में है। कई युवाओं ने पापा को सरप्राइज देने के लिए भी विशेष योजना बनाई है। युवाओं का कहना है कि फादर्स डे सिर्फ उपहार देने का अवसर नहीं, पिता के साथ समय बिताने और अपनी भावनाएं व्यक्त करने का दिन भी है। इसी वजह से उन्होंने स्पेशल डेट और आउटिंग की योजना बनाई है। कोई अपने पिता के साथ लंच या डिनर करेगा तो कोई पूरा दिन परिवार के साथ बिताने की तैयारी कर रहा है। दिल्ली में फादर्स डे के मौके पर कई जगह पर खास आफर निकाले हैं। रेडीसन ब्लू में फादर्स डे पर स्पेशल डिनर डेट पर चार लोगों के पहुंचने पर पापा का खाना निश्शुल्क रहेगा।

सूजन, इंफेक्शन और शुगर को कम करती हैं इमली की पत्तियां

इमली में औषधीय गुण होते हैं, इससे हम सभी वाकिफ हैं, लेकिन इमली की पत्तियां भी बेकार नहीं हैं। कई ऐसे घरेलू नुस्खे हैं, जिसमें इमली की पत्तियों का इस्तेमाल कर सेहत की समस्याओं में राहत मिलती है। इमली की पत्तियों में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। जब इमली की पत्तियों का रस निकाला जाता है और घावों पर लगाया जाता है, तो ये घाव को तेजी से ठीक करता है। इसके पत्तों का रस किसी भी अन्य संक्रमण और परजीवी विकास को रोकता है। इसके अलावा यह नई कोशिकाओं का निर्माण भी तेजी से करता है।

- इमली की पत्तियों के अर्क से स्तनपान कराने वाली माताओं में स्तन के दूध की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इमली की पत्तियों का अर्क जननांग के संक्रमण को रोकता है और इसके लक्षणों से राहत प्रदान करने में भी उपयोगी है।
- इमली की पत्ती विटामिन सी का भंडार होती हैं, जो कि किसी भी सूक्ष्मजीव के संक्रमण से शरीर की रक्षा करती है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।
- पत्तियों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए पपीता, नमक और पानी को पत्तियों में मिलाया जा सकता है, लेकिन, सुनिश्चित करें कि आप बहुत अधिक नमक का उपयोग नहीं करते हैं।
- इमली की पत्तियों में सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं और जोड़ों के दर्द और अन्य सूजन के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इमली की पत्तियों का सेवन करने से शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और इंसुलिन संवेदनशीलता भी बढ़ जाती है। इससे शुगर की बीमारी (मधुमेह) में राहत मिलती है। यह पीलिया को ठीक करने में भी मदद करती है।
- स्कर्वी विटामिन सी की कमी के कारण होता है। यह नाविक की बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, आमतौर पर स्कर्वी मसूड़ों और नाखूनों, थकान आदि जैसे लक्षणों के साथ होता है। इमली के पत्तों में उच्च एस्कॉर्बिक एसिड सामग्री होती है, जो एंटी-स्कर्वी विटामिन के रूप में कार्य करती है।

घर में मैनीक्योर करते समय न करें ये गलतियां

घर में मैनीक्योर करने की विधि के वक्त आप गलतियां न करें, उसके लिए उन्हें जान लेना जरूरी है।

नाखूनों को ज्यादा छोटा न करें

कई बार महिलाएं नाखूनों को ज्यादा छोटा कर देती हैं। जरूरी नहीं कि मैनीक्योर के वक्त नाखूनों को काटना ही हैं। अगर आपके नाखून पहले से ही छोटे हैं, तो उन्हें न काटें। बस फाइल के जरिए उन्हें सही आकार दें। अगर आपके नाखून बहुत लंबे हैं, तो बस उन्हें आधा काटें और फिर उन्हें सही आकार दें। नाखूनों को बहुत छोटा करने से लुक खराब हो सकता है।

क्यूटिकल्स को ट्रिम करने से बचें

क्यूटिकल त्वचा कोमल होती है। आपको उन्हें पूरी तरह से काटने की आवश्यकता नहीं है, बस उन्हें थोड़ा पीछे कर दें। अगर आपको लगता है कि आपको बहुत क्यूटिकल है तो हर दिन नहाते वक्त उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश करें। जब आप शॉवर लेते हैं, तो आपके क्यूटिकल्स नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें पीछे धकेलना आसान हो जाता है।

फाइलर का उपयोग ध्यान से करें

अपने नाखूनों को आकार देने के लिए फाइलर का उपयोग ध्यान से करें। फाइलर को हर दिशा में न घुमाएं, बल्कि जब आप एक तरफ से नाखून को फाइल करना शुरू करते हैं, तो उसी तरफ से पूरे नाखून को फाइल करें।

नाखूनों को अच्छे से साफ करना न भूलें

नेल पॉलिश लगाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके नाखूनों में मॉइस्चराइजर, पानी या गंदगी तो नहीं है। उन्हें अच्छी तरह से साफ करने के लिए एक लिंट-फ्री वाइप और नॉन-एसीटोन नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल करें।

नेल पोलिश की ज्यादा मोटी लेयर न लगाएं

जब नेल पॉलिश लगाएं, तो ध्यान रहे कि आप नेल पॉलिश की ज्यादा मोटी परत न लगाएं और लगातार दो कोट न लगाएं, वरना पॉलिश खराब हो सकती है। एक कोट लगाने के बाद जब नेल पॉलिश सूख जाए, तो दूसरा कोट लगाएं। नाखूनों को मोड़कर नेल पॉलिश न लगाएं, नहीं तो आपकी नेल पॉलिश खराब हो सकती है। इसके अलावा, ध्यान रहे कि आप नाखूनों के कोने से लेकर सिरे तक अच्छे से नेल पॉलिश लगाएं।

जब आपको सही तरीके से मैनीक्योर करने की विधि पता हो और आपके पास मैनीक्योर की सामग्री मौजूद हो, तो घर में मैनीक्योर करना बहुत आसान हो जाता है। इससे न सिर्फ वक्त बचता है, बल्कि पैसे की भी काफी बचत हो सकती है। इन तमाम नियमों का पालन कर आप घर में खुद से मैनीक्योर करके देखें और हमारे साथ अपने अनुभव कमेंट बॉक्स में शेयर करना न भूलें। इसके अलावा, अगर आपके पास भी मैनीक्योर एट होम के कुछ अन्य टिप्स हैं, तो हमारे साथ जरूर शेयर करें।

रेसिपी

मेथी का रायता

सामग्री

■ ताजी मेथी: 50 ग्राम ■ गाढ़ा दही: 1 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ लहसुन की कलियां: 4-5 बारीक कटी ■ चाट मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक: 1/2 टीस्पून ■ चीनी: 1/4 टीस्पून ■ रेड चिली पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून ■ धनिया पत्ती: 1 टेबलस्पून बारीक कटी

विधि

बोल में दही निकालकर उसमें थोड़ा पानी मिलाकर अच्छी तरह चलाकर अलग रख दें। फ्राइंगपैन में एक टेबलस्पून ऑलिव डालकर गर्म करें। इसमें प्याज, लहसुन और मेथी डालकर भून लें। ऊपर से नमक, चीनी, रोस्टेड जीरा और चाट मसाला डालकर मिलाएं। तड़का लगाने के लिए तड़के की सामग्री एक-एक कर डालें और दही वाले बोल में डालकर मिलाएं। धनिया से गार्निश करें।

स्पाइसी बीन कबाब

सामग्री

■ आधा प्याज बारीक कटा हुआ ■ 4-6 बारीक कटा लहसुन ■ उबला व बचा हुआ राजमा : 2 कप ■ ओट्स: 1 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स आधी हैलेपीन्यो (पिज्जा में इस्तेमाल होने वाली विनेगर वाली मिर्च): 1/2 कप ■ कॉर्न : 1/2 कप ■ रेडीमेड स्पाइसी मस्टर्ड सॉस: 2 टेबलस्पून ■ रोस्टेड जीरा: 1 टेबलस्पून ■ सोय सॉस: 1/4 कप ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक और काली मिर्च पाउडर स्वाद के अनुसार ■ कुछ धनिया

विधि

एक बड़े बोल में सारी सामग्री डालकर एक साथ मिलाएं। इस मिश्रण में मनचाहे आकार के कबाब बनाकर दो घंटे के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। अब फ्रिज से निकालकर इन्हें शैलो फ्राई कर लें। तैयार कबाब को हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-4-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3925

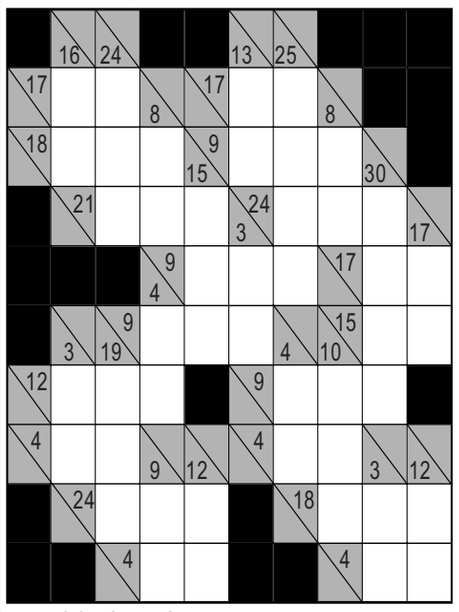

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

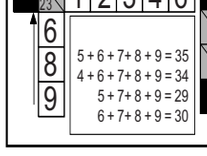

काकुरो - 3924 का हल

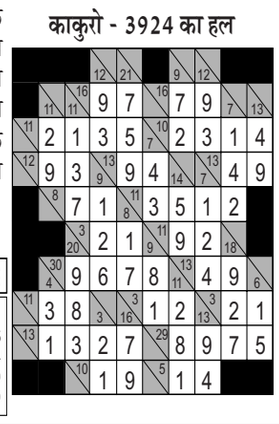

हंसी के फव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'

'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ.'

□ □ □

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.

'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.

'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

□ □ □

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?

रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

□ □ □

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

□ □ □

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा-'यह साइकिल तुम्हारी है?'

'जी नहीं.'

'तुम्हारा नाम'

'जी वह मेरा अपना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3925

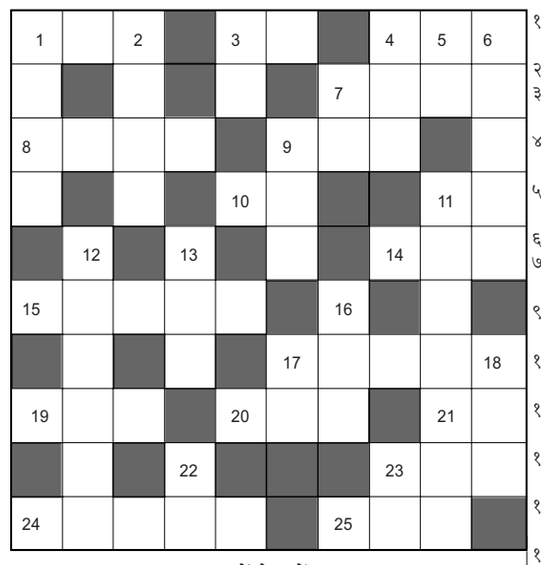

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3924

वि	वा	ह		इ	श्क	वि	श्क		टा
द्या		मे		श्क		धा		फ	र्ज
बा	द	शा	ह		शै	ता	न		न
ल			सी	मा			का	ल	
न	ज	र	ना		ज्ञ	बा	ब		सं
	मी	ना		ना	र	ज		दा	ता
आ	न		का		बी		ना	दा	न
शि		जो	शी	ले		फि	जा		
क	शि	श		कि	ला		य	हू	दी
	वा		डॉ	न		आ	ज		पा

सूडोकु -3925

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3924 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 3925

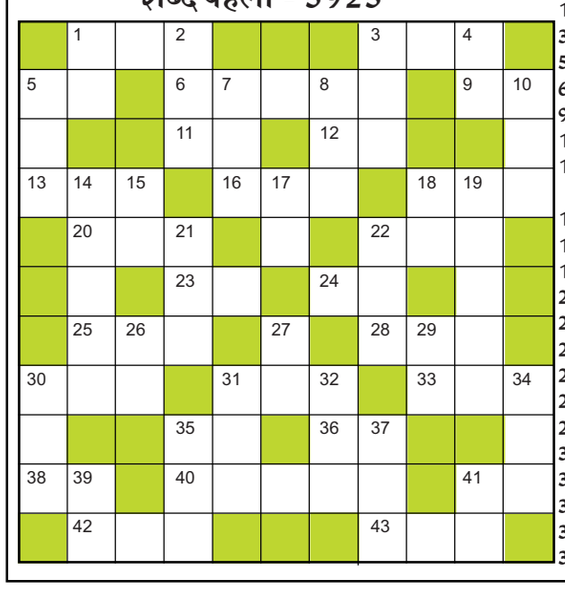

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -3924 का हल

का		बु	आ		द		स	ख		मु
र	क		कु	क	र	मु	ना		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				टी				बे	
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
ई		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	बि
सं		गी	त		म		ना	नी		ल

मेरी अमाल से कोई तुलना नहीं है

तान्या मित्तल अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अक्सर बातचीत करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अमाल मलिक से उनकी तुलना करने पर रिएक्शन दिया है।

बता दें कि 'बिग बॉस 19' शो के दौरान तान्या और अमाल मलिक के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। अब शो खत्म हो चुका है और दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके फैंस के बीच अक्सर बहस देखने को मिलती है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक सेशन के दौरान तान्या ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। जब एक फैन ने उनसे पूछा कि अब उनकी अमाल से क्या बातचीत होती है, तो तान्या ने कहा, 'मेरी अमाल से कोई बात नहीं होती। मैं नहीं चाहती कि आप लोग मेरी और अमाल की तुलना करें। प्लीज। मुझे समझ आता है कि उनका मैनेजर या उनका फैनडम मेरे खिलाफ इतना क्यों बोलता है। क्योंकि मैं जानती हूं कि ये इंडस्ट्री कैसी है।'

हमारा कोई मुकाबला नहीं है

उन्होंने आगे कहा, 'वो पिछले 10 साल से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 'कबीर सिंह' से लेकर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम किया है। और मैं कौन हूं? मैं तो बस 6 महीने पहले आई हूं। तो लोगों को लगेगा ही कि मुझे इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है। लेकिन अमाल ऐसे नहीं हैं। मैं उनके साथ 100 दिन रही हूं, वो बहुत अच्छे इंसान हैं। हमारा कोई मुकाबला नहीं है। अमाल सुपरस्टार हैं। मेरे लिए वो बहुत बड़े स्टार हैं, पहले इसलिए क्योंकि वो मेरे दोस्त थे और दूसरा इसलिए क्योंकि वो अमाल मलिक हैं।'

तान्या ने इस दौरान भाग्यश्री और गुल्लू के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों को भी खारिज कर दिया और कहा कि उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है। इन दिनों तान्या कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आ रही हैं, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। इस शो में सुनीता आहूजा अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ, उर्वशी ढोलकिया अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ, गुल्लू अपनी मां मुनेश तनवर के साथ और भाग्यश्री शर्मा अपनी मां रिंजू शर्मा के साथ नजर आ रही हैं।

अमृता राव ने सलमान-रणबीर जैसे बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में ठुकराकर इंडस्ट्री में बनाई अलग पहचान

बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया लेकिन इस दौरान कुछ बड़े ऑफर भी ठुकराए। इनमें सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में भी शामिल थीं। उन्होंने अपने दमदार अभिनय के दम पर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई। अमृता राव का जन्म 7 जून 1981 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई से की लेकिन मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में बढ़ती रुचि के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ दी। उन्होंने करियर की शुरुआत विज्ञापन और म्यूजिक वीडियो से की थी। साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके अलावा, वह 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' में भी नजर आईं। हालांकि, उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट 2003 में आई फिल्म 'इश्क विश्क' रही, जिसमें उनके साथ शाहिद कपूर थे। फिल्म हिट रही और अमृता रातोंरात दर्शकों की पसंदीदा अभिनेत्री बन गईं। इस फिल्म के लिए उन्हें आईफा स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद अमृता राव ने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी', 'प्यारे मोहन' और 'विवाह' जैसी फिल्मों में काम किया। खास तौर पर 2006 में रिलीज हुई 'विवाह' ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। फिल्म में उन्होंने पूनम का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। उनकी सादगी सीधे लोगों के दिलों को छू गई। इस फिल्म के बाद उन्हें देश-विदेश से शादी के ऑफर्स तक मिलने लगे थे। अमृता राव हमेशा अपनी शर्तों पर काम करने के लिए जानी गईं। यही वजह रही कि उन्होंने कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स को भी ठुकरा दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर कपूर की फिल्म 'बचना ऐ हसीनों' का ऑफर पहले अमृता को मिला था, लेकिन फिल्म में किसिंग सीन होने के कारण उन्होंने इसे ठुकरा दिया। बाद में यह फिल्म दूसरी अभिनेत्री के पास चली गई और इस तरह यशराज फिल्म्स के साथ एक बड़े कॉन्ट्रैक्ट को साइन करने का मौका भी उन्होंने छोड़ दिया।

इतना ही नहीं, अमृता ने सलमान खान की सुपरहिट फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में भी काम करने से इनकार कर दिया था। बताया जाता है कि उन्हें फिल्म में सलमान खान की बहन का किरदार ऑफर किया गया था लेकिन उन्होंने यह भूमिका करने से मना कर दिया। इसके अलावा 'नील एन निक्की' जैसी फिल्म भी उन्होंने बोल्ड सीन्स की वजह से नहीं की। उनके करियर में काफी उतार-चढ़ाव भी आए। कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चलीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साब द ग्रेट', 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने शानदार काम किया। टीवी की दुनिया में भी उन्होंने 'मेरी आवाज ही पहचान है' के जरिए कदम रखा। अवॉर्ड्स की बात करें तो अमृता राव को आईफा अवॉर्ड, स्टारडस्ट अवॉर्ड समेत कई सम्मान मिले। 'मैं हूं ना' फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगिरी में नॉमिनेशन भी मिला था। निजी जीवन की बात करें तो उन्होंने रेडियो जॉकी अनमोल सूद से शादी की है और आज वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिता रही हैं।

भारतीय फिल्मों को कम कम शो मिलने पर अनुराग कश्यप ने नाराजगी जाहिर की

अनुराग कश्यप ने भारतीय फिल्मों को कम कम शो मिलने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारतीय फिल्मों को सिनेमाघरों में बहुत कम शो मिल रहे हैं, जबकि हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है।

भारतीय फिल्मों को कम शो मिलने पर भड़के अनुराग

अनुराग कश्यप ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह समझते हैं कि लोग 'ऑब्सेशन' देखना चाहते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारतीय फिल्मों को कम शो दिए जाएं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर हम अपनी ही फिल्मों को सही मौका नहीं देंगे, तो इंडस्ट्री आगे कैसे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म 'बंदर', वेदांग रैना और शरवरी की 'मैं वापस आऊंगा'', मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' और तेलुगु फिल्म 'सिंग गीथम' को बहुत कम शो मिल रहे हैं। कुछ जगहों पर तो इन फिल्मों का सिर्फ एक सुबह का शो है, जबकि 'ऑब्सेशन' को 6-7 शो दिए जा रहे हैं।

'बंदर' का किया निर्देशन

'बंदर' का निर्देशन खुद अनुराग कश्यप ने किया है, जिसमें बॉबी देओल, सपना पब्बी, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद, राज बी शेट्टी, जितेंद्र जोशी, ऋद्धि सेन, इंद्रजीत सुकुमारन और नागेश भोंसले जैसे कलाकार नजर आते हैं।

'ऑब्सेशन' कर रही शानदार कलेक्शन

वहीं हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म अब तक दुनियाभर में 224.7 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और अपने स्टूडियो की सबसे बड़ी हिट बन गई है। इस फिल्म में माइकल जॉनस्टन और इंडे नवारेटे लीड रोल में हैं। कहानी एक ऐसे शख्स की है, जो अपने क्रश का प्यार पाने की चाह में खतरनाक और डरावनी घटनाओं में फंस जाता है। इससे पहले राम गोपाल वर्मा ने भी 'ऑब्सेशन' की काफी तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि यह फिल्म देखकर उन्हें अपनी फिल्म 'कौन' की याद आ गई। उन्होंने यह भी कहा कि वह खुद इस फिल्म के 'ऑब्सेस्ड' हो गए हैं और इसने थिएटर में फिल्मों की सफलता को लेकर सोच बदल दी है।

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने गाने 'हुआ' से किया सिंगिंग डेब्यू

जुबिन नौटियाल के साथ जुड़ा नया म्यूजिक सफर

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने गाने 'हुआ' के जरिए हिंदी संगीत की दुनिया में कदम रखा है। इस गाने में उन्होंने मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ काम किया है। इस बीच, उन्होंने इस नए सफर को लेकर बात की है और जुबिन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में खुलकर बताया।

एलनाज नोरौजी ने कहा, ''संगीत हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है, लेकिन अब जाकर मुझे इसे पेशेवर रूप से अपनाने का मौका मिला है। जुबिन नौटियाल जैसे अनुभवी और लोकप्रिय गायक के साथ अपने पहले हिंदी गाने की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। जब किसी कलाकार का पहला कदम ही इतने बड़े और सम्मानित संगीतकार के साथ जुड़ता है, तो वह अनुभव यादगार बन जाता है। यह मेरे लिए नई रचनात्मक यात्रा की शुरुआत है।'' गाने 'हुआ' के बारे में बात करते हुए एलनाज ने इसे अपने करियर का एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा, 'जीवन में कुछ ऐसे पल आते हैं, जो हमेशा याद रह जाते हैं और यह गाना उन्हीं में से एक है। यह सिर्फ एक म्यूजिक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मेरे दिल के बहुत करीब एक सपना है, जिसे मैंने लंबे समय तक संजोकर रखा था। जब कोई सपना धीरे-धीरे सच होता है, तो उसकी खुशी शब्दों से ज्यादा महसूस की जाती है, और यह गाना मेरे लिए वही एहसास लेकर आया है।'

एलनाज ने आगे कहा, 'भले ही मैं लंबे समय से अभिनय से जुड़ी रही हूं, लेकिन संगीत हमेशा मेरे अंदर कहीं न कहीं मौजूद था। जुबिन नौटियाल के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि उनकी आवाज में भावनाओं की गहराई और सच्चाई होती है। वह हर गाने को बहुत ईमानदारी और भावनाओं के साथ गाते हैं।'

इस मौके पर जुबिन नौटियाल ने भी एलनाज की तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कहा, ''एलनाज की आवाज काफी मधुर है। उनके अंदर मेहनत करने की लगन दिखाई देती है। उन्होंने इस गाने के लिए समर्पण के साथ काम किया है और मैं उनके इस नए सफर से बेहद खुश हूं। मैं इस गाने और एलनाज दोनों पर गर्व महसूस करता हूं और मुझे खुशी है कि यह गाना लोगों के दिलों तक पहुंच रहा है।''

ओटीटी के आने से मौके भी बढ़ गए हैं

करिश्मा कपूर इस वक्त अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'ब्राउन' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ हो रही है। करिश्मा ने ओटीटी पर काम करने के एक्सपीरियंस, रोल और एक्टर्स के लिए बढ़े मौकों पर बात की। 'अंदाज अपना अपना', 'साजन चले ससुराल' और 'जुड़वा' जैसी फिल्मों से 90 के दशक में फैंस का मनोरंजन करने वालीं करिश्मा कपूर ने भले ही बड़े पर्दे से दूरी बना ली हो, लेकिन आज भी दर्शकों के बीच चर्चा में रहती हैं। पहले शादी और बच्चों के बाद हीरोइन ब्रेक पर चली जाया करती थीं। लेकिन अब वो करियर को कंटिन्यू करती हैं।

जबसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स आए हैं, तबसे एक्टर्स को, चाहे वो किसी भी उम्र के हो, हर तरह के रोल मिल जा रहे हैं। आप तीस के दशक में हों या 40 के दशक में या फिर 60 के दशक में, एक्टर्स को काफी स्ट्रॉन्ग रोल्स मिल रहे हैं, जो अच्छी चीज है।

क्या पहले के मुकाबले, आज के दौर में हीरोइनों के लिए ज्यादा मौके हैं?

मुझे लगता है कि हर दशक में, हर दौर में ऐसे मौके मिलते हैं। चाहे हम 'मदर इंडिया' के टाइम से देखें और उसके बाद भी लिस्ट बहुत लंबी है। अगर मैं अपनी बात करूं तो मुझे अवसर मिले और मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे कुछ ऐसी फिल्में मिलीं, जिनके बारे में आज भी बात होती हैं। फिर चाहे वह 'बीवी नंबर 1' हो, 'शक्ति', 'फिज़ा', 'जुबैदा', 'राजा हिंदुस्तानी' या फिर 'दिल तो पागल है'। तो इन सारी फिल्मों में हीरोइन का किरदार बहुत ही बढ़िया था और वह स्ट्रॉन्ग वुमन भी थीं। वह अपने स्तर पर अपनी स्ट्रेंथ दिखा रही थीं। लेकिन अब ओटीटी के आने से मौके और भी बढ़ गए हैं। अब हर उम्र के एक्टर्स के लिए रोल्स हैं, जो वाकई कमाल है। तो उस नजरिए से देखें तो यह आर्टिस्ट्स के लिए बहुत ही अच्छा दौर है।

इसी वजह से अब हर उम्र में सोलो लीड वाली फिल्में भी मिल पा रही हैं

मुझे लगता है कि इन दिनों सभी आर्टिस्ट्स किस्मत वाले हैं, चाहे एक्टर हो या एक्ट्रेस। चाहे वह बच्चा हो या फिर दादी हो, उनका भी सोलो लीड हो सकता है। यह बहुत ही क्रिएटिव टाइम है एक्टर्स के लिए और दर्शकों के लिए भी, क्योंकि उन्हें भी अलग तरह का सिनेमा देखने का मौका मिल रहा है।

अपनी नई वेब सीरीज 'ब्राउन' के बारे में कुछ बताएं।

'ब्राउन' एक साइकलॉजिकल थ्रिलर है, लेकिन साथ में एक ह्यूमन स्टोरी भी है। यह कहानी रीटा ब्राउन और बाकी कैरेक्टर्स की है, जो बिल्कुल भी वन डाइमेंशनल स्टोरी नहीं है। यह दिखाती है कि रीटा ब्राउन क्या है, वह किन परिस्थितियों से गुजर रही हैं। और इन सबके बीच जब वह मर्डर केस सॉल्व कर रही हैं, तब वह कैसे साथ-साथ खुद में भी बदलाव कर रही है। दूसरा, इस सीरीज ने मुझे बहुत चैलेंज किया। इसमें इतना कुछ अलग था। इसलिए मैंने यह प्रोजेक्ट किया।

आपको फिल्मी दुनिया में इतना अनुभव है। अब आप ओटीटी प्रोजेक्ट्स में भी काम कर रही हैं। तो आपको क्या फर्क महसूस हुआ दोनों प्लेटफॉर्म्स पर काम करने में?

पहले के समय में हम ज्यादा पैशन के साथ काम करते थे। स्टोरी तब भी होती थी, लेकिन तब बाउंड स्क्रिप्ट्स नहीं होती थी। मतलब ऐसा कभी नहीं हुआ कि कल मेरा यह सीन है तो उसके मुताबिक हम वर्कशॉप कर रहे हैं। ऐसा कुछ भी नहीं होता था। हम तो सेट पर जाते थे, डायलॉग याद करते थे और काम करते थे। तो वह बहुत ही अलग समय था, अलग दौर। और अब तो सब कुछ तय होता है, हमें अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, हम पढ़ सकते हैं, बहुत सारी वर्कशॉप्स होती हैं और सारे एक्टर्स के साथ हम मिलकर बातचीत कर पाते हैं। तो यह बहुत अलग है और मजेदार अनुभव भी। जहां तक प्लेटफॉर्म्स की बात है तो मुझे दोनों के बीच में तुलना नहीं करनी है क्योंकि तब जिस तरह की फिल्में बनती थीं, वह कुछ अलग ही समय था और अब माहौल अलग है, तो हमें समय के साथ आगे बढ़ना है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।